Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 85
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,25 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 युवक ने सुसाइड किया,सीढ़ियों की रेलिंग से फांसी लगाई 4 जनता की भागीदारी के बिना स्वदेशी का नारा सिर्फ नारा ही रहेगा 5 फैन्स को आशिष चंचलानी का तोहफा

राजधानी में 300 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र,पीएम मोदी वर्चुअल जुड़े

कहा हर युवा भारत की ताकत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मिशन रोजगार के तहत 300 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटा गया। राष्ट्रीय रोजगार मेले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। उन्होंने वर्चुअल तरीके से युवाओं को नियुक्त पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि देश का हर युवा हमारी ताकत है। देशभर में 40 स्थानों पर रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उसमें वर्चुअल तरीके से प्रधानमंत्री ने 51,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जिसमें लखनऊ के 300 युवा शामिल रहे। लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन और उर्वरक मंत्रालय की राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने दीप जलाकर किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में रोजगार सृजन की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुआ है। अनुप्रिया पटेल ने कहा, जब केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में मिशन रोजगार की शुरूआत की थी, तब 10 लाख युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा गया था। आज हम न केवल उस लक्ष्य को प्राप्त कर चुके हैं, बल्कि उससे आगे बढ़ चुके हैं। इस मौके पर मलिहाबाद की विधायक जय देवी, मोहनलालगंज के विधायक अमरेश कुमार, भारतीय डाक विभाग के पोस्ट मास्टर जनरल सुनील कुमार राव मौजूद रहे। उन्होंने नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह अवसर युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का मौका देता है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रोजगार मेले के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। मंच पर प्रधानमंत्री का संदेश सुनते हुए कई युवाओं की आंखों में सपनों की चमक साफ झलक रही थी। जौनपुर से आए छात्र समीर माज ने बताया, मेरा चयन आरडीएसओ में हुआ है। मैंने जूनियर इंजीनियर पद के लिए आवेदन किया था। अब मुझे नियुक्ति पत्र मिल गया है। यह मेरे लिए बहुत गर्व का पल है। लखनऊ के राहुल कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, मेरा सिलेक्शन नारकोटिक विभाग के ग्रेड-2 पद पर हुआ है। मैंने अगस्त में आवेदन किया था। अब नियुक्ति पत्र पाकर ऐसा लग रहा है जैसे मेहनत रंग लाई हो। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता युवाओं को अधिकतम रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आज का युवा सिर्फ नौकरी नहीं ढूंढता, बल्कि देश के विकास में अपना योगदान देना चाहता है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत का हर युवा हमारी ताकत है। मिशन रोजगार उसी भावना के साथ चलाया जा रहा है कि युवाओं को अवसर मिले और देश नई ऊंचाइयों को छुए।

राज्य स्थापना का रजत जयंती वर्ष; पांच को दून विवि में जुटेंगे प्रवासी उत्तराखंडी, सीएम करेंगे संवाद

देहरादून (एजेंसी)। राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर दूसरा प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन पांच नवंबर को दून विश्वविद्यालय में होगा। इस एक दिवसीय सम्मेलन में प्रवासी उत्तराखंड की 25 वर्षों की यात्रा को अपने नजरिये से रखेंगे। सीएम पुष्कर सिंह धामी सीधे उनसे संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश में प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन के आयोजन का सिलसिला शुरू हुआ है। प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री आरके सुधांशु ने बताया कि पांच नवंबर को दून विवि के नित्यानंद ऑडिटोरियम में इस सम्मेलन की शुरूआत सुबह दस बजे से होगी। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। सम्मेलन दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा। पहला सत्र पर्यावरण से संबंधित रहेगा, जिसके लिए वन विभाग के पीसीसीएफ एसपी सुबुद्धि को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। दूसरा सत्र, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण से संबंधित रहेगा, जिसके लिए दून विश्व राज्य स्थापना का विद्यालय की कुलपति प्रो सुरेखा डंगवाल को नोडल अधिकारी बनाया गया है।प्रमुख सचिव ने बताया कि सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रवासी उत्तराखंडियों से सीधा संवाद भी करेंगे। संवाद का यह कार्यक्रम करीब एक घंटे का होगा। अभी तक इस आयोजन का हिस्सा बनने के लिए उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, झारखंड आदि प्रदेशों से 200 लोगों ने पंजीकरण करा लिया है। सम्मेलन के पश्चात शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी दून विश्वविद्यालय में किया जाएगा।

शरारती तत्वों ने मस्जिद में लगाई आग, धार्मिक ग्रंथ जलकर हुए खाक, 6 गिरफ्तार

छतरपुर (एजेंसी)। छतरपुर के हरपालपुर थाना के इमलिया गांव की एक मस्जिद मे कुछ शरारती तत्वो ने मस्जिद के अंदर आग लगा दी। सुबह जब मस्जिद के इमाम पहुंचे तो मस्जिद मे धार्मिक ग्रंथ सहित अन्य चीजे जली हुई पाई गई। आग लगने की घटना के बारे में गांव में लोगों को जैसे ही जानकारी लगी तो मस्जिद से जुड़े लोग इकट्ठा हो गये और हरपालपुर थाना पुलिस को जानकारी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए भारी पुलिस बल गांव पहुंचा और आगजनी की वारदात की तफ्तीश शुरू कर दी। पुलिस ने इस घटना मे लिप्त छह शरारती तत्वों पर मामला दर्ज किया है और घटना के मास्टर माइंड हर्ष पटैरिया और मनोज पटैरिया को उत्तरप्रदेश के महोबा से गिरफ्तार किया है और इस घटना में लिप्त कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी का कहना है कि कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कारवाई की जायेगी।

बेटी से दुष्कर्म के आरोपी का पिता ने काटा प्राइवेट पार्ट,आहत पिता ने खुदकुशी की

देवरिया (एजेंसी)। जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छह वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म की कोशिश से आहत पिता ने शुक्रवार सुबह खुदकुशी कर ली। उसने अपने किराए के कमरे में फंदे से लटककर जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर सीओ सलेमपुर मनोज कुमार, थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्र और फॉरेंसिक टीम पहुंचकर जांच में जुट गई है। मामला खुखुंदू थाना क्षेत्र का है। मृतक युवक पिछले दो माह से महाराजपुर गांव निवासी रामबाबू यादव के साथ किराए के मकान में रह रहा था। उसके साथ उसकी छह वर्षीय बेटी भी रहती थी। बीते मंगलवार की रात युवक, उसकी बेटी और दोस्त रामबाबू एक साथ सोए थे। आरोप है कि रात में रामबाबू ने बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। युवक की नींद खुली तो उसने यह घिनौनी हरकत देख ली। गुस्से में उसने रामबाबू पर चाकू से हमला कर उसके प्राइवेट पार्ट को काट, जिससे आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल वह गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाजरत है।

बस में आग लगने जैसी घटनाओं के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी: खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक बस में आग लगने के कारण कई लोगों की मौत पर शुक्रवार को दुख जताया और कहा कि बार-बार होने वाली इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। हैदराबाद जा रही एक निजी बस में शुक्रवार तड़के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के पास एक दोपहिया वाहन के टकराने के बाद आग लग गई, जिससे इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बाइक सवार भी शामिल है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हैदराबाद-बेंगलुरु राजमार्ग पर एक बस में आग लगने की दुखद घटना हुई, जिसके कारण कई लोगों की मौत हो गई। यह अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा, मैं इस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले सभी यात्रियों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि बार-बार होने वाली इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है।

छठ पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प ले,प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम उत्सव है:सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को छठ महापर्व पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेशवासियों को संबोधित एक संदेश अपने आधिकारिक एक्स खाते पर साझा करते हुए छठ महापर्व की सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पोस्ट में कहा मेरे सम्मानित प्रदेश वासियों... छठ महापर्व आस्था व परंपरा के साथ-साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम उत्सव है। एक जिला-एक नदी के अंतर्गत सरकार नदियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयत्नशील है। आइए, छठ पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें। योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा इस पर्व का एक गहरा संदेश है-नदियों और जलाशयों के

प्रति सम्मान व उनका संरक्षण। हम नदी सभ्यता की संतान हैं। हमारे लिए नदियां धमनियों सी है, जिनमें जल की स्मृतियां सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार इन जीवन धाराओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। 2017 से अब तक 50 से अधिक नदियों को पुनर्जीवित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कानपुर की नून, देवरिया की छोटी गंडक, वाराणसी की मटका, जौनपुर की पीली नदी का प्रवाह हमारे प्रयास का प्रमाण है। इसी कड़ी में गोमती पुनर्जीवन मिशन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को एक नई धारा प्रदान करेगा। योगी ने पोस्ट में कहा एक जिला-एक नदी के अंतर्गत सरकार नदियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयत्नशील है। आइए,, इसे लोक सहभागिता के उत्सव के रूप में मनाएं। इस छठ पर नदियों घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि नदियां हैं तो हम हैं, नदियां नहीं तो कुछ भी नही।

100 शहाबुद्दीन भी आ जाएं तो कुछ नहीं कर पाएंगे: सिवान से अमित शाह ने राजद को ललकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार चुनाव में दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे, एक सजायाफ्ता अपराधी, को मैदान में उतारने के लिए राजद पर तीखा हमला किया और बिहार के सीवान में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा,चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। राजद ने आगामी चुनावों के लिए सीवान के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को मैदान में उतारा है। भाजपा के शीर्ष नेता ने सीवान के लोगों को बहादुर बताया, जिन्होंने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। अमित शाह ने कहा कि 20 सालों से, ए-श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर शहाबुद्दीन, जिसके खिलाफ लगभग 75 मुकदमे, दो बार जेल की सजा, तिहरे हत्याकांड, एक एसपी पर हमला... उसने एक व्यवसायी के बेटों को तेजाब में तब तक

नहलाया जब तक उनकी खाल नहीं उतर गई। सीवान के बहादुर लोगों ने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। शहाबुद्दीन के बेटे को खुद लालू प्रसाद यादव ने रघुनाथपुर से टिकट दिया है। अब, नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के राज में, चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल पूरी तरह बिखर गया है। रैली के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार और देश के अन्य हिस्सों में एक भी घुसपैठिए को नहीं रहने दिया जाएगा। अमित शाह ने कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि सीवान में घुसपैठियों को रहने दिया जाना चाहिए... मैं आप सभी से वादा करता हूँ कि अगर आप एनडीए को वोट देंगे, तो हम देश से हर घुसपैठिए को निकाल देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार 14 नवंबर को 'असली दिवाली' मनाएगा, जब लालू के बेटे को चुनावों में अपमानजनक हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने 'जंगल राज' का अंत किया है। उन्होंने पूरे बिहार को 'जंगल राज' से मुक्त कराया और 20 साल बाद भी हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही ये चुनाव लड़ रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि वह सीवान के लोगों को नमन करना चाहते हैं क्योंकि 20 साल तक सीवान की इस धरती ने लालू-राबड़ी सरकार के 'जंगलराज' को बर्दाश्त किया है। उन्होंने कहा, सीवान ने अराजकता, हत्या और अन्य अपराधों को बर्दाश्त किया, लेकिन यहाँ के लोग झुके नहीं और 'जंगलराज' के खिलाफ लड़े। इससे पहले दिन में, बिहार में राजद के 'जंगल-राज' की आलोचना करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने जंगल राज को सुशासन में बदल दिया और अब समय आ गया है कि पूरे बिहार में सुशासन को समृद्धि में बदला जाए।

दुस्साहस किया तो करारा जवाब

'थार शक्ति' अभ्यास देख राजनाथ का पाक को कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को जैसलमेर के लोंगेवाला के पास तनोट माता मंदिर का दौरा किया और पूजनीय मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान द्वारा श्री तनोट राय माता मंदिर परिसर पर गिराए गए बिना फटे बमों को देखा, जो उल्लेखनीय रूप से फटे नहीं थे। यात्रा के बाद, सिंह ने लोंगेवाला सीमा पर चल रहे थार शक्ति अभ्यास का अवलोकन किया। राजस्थान अभ्यास थार शक्ति एक भारतीय सेना का अभ्यास है जो रेगिस्तानी इलाकों में भूमि-आधारित युद्ध पर केंद्रित है। गुरुवार को, सिंह ने जैसलमेर में शौर्य वन का उद्घाटन किया, जिसके बाद उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध संग्रहालय का भी दौरा किया। सिंह ने शौर्य वन के मुख्य आकर्षण को भी देखा। शौर्य वन थार रेगिस्तान में एक नया प्रकाश और ध्वनि शो है प्रकाश एवं ध्वनि शो जैसलमेर स्थित 1971 भारत-पाक संग्रहालय में आयोजित किया जाता है।इस बीच, जैसलमेर में बड़ाखाना

के दौरान सैनिकों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ₹पाकिस्तान अब भारत के खिलाफ कोई भी दुस्साहस करने से पहले दो बार सोचेगा क्योंकि हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उन्हें कड़ी चेतावनी दी है।₹ यह दोहराते हुए कि ऑपरेशन खत्म नहीं हुआ है, बल्कि रुका हुआ है, रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसने कोई दुस्साहस किया तो उसे और भी कठोर जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे पायलटों ने पाकिस्तान के सामने भारत की ताकत का केवल एक प्रदर्शन किया है। अगर मौका मिला, तो वे हमारी असली ताकत का प्रदर्शन करेंगे।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में दूषित भोजन के सेवन से अब तक 5 लोगों की मौत

नारायणपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मृत्यु भोज के कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर दूषित भोजन का सेवन करने से एक सप्ताह में पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी टी.आर. कुंवर ने बताया कि 21 अक्टूबर को जिले के ओरछा विकासखंड के डूंगा गांव के घोट पारा में कथित तौर पर दूषित भोजन के सेवन से मृत्यु की सूचना मिली थी जिसके बाद जिलाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर नारायणपुर और बीजापुर के मुख्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों तथा ओरछा के खंड चिकित्सा अधिकारी के दल ने गांव का दौरा कर लोगों का इलाज किया। कुंवर ने बताया कि ग्रामीणों से चर्चा करने पर जानकारी मिली कि 14 से 20 अक्टूबर तक गांव में कुल पांच लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों से जानकारी मिली कि गांव में 14 अक्टूबर को मृत्यु भोज का कार्यक्रम था, जिसमें सभी ग्रामीण शामिल हुए थे। मृत्यु भोज में भोजन करने के बाद लगातार उल्टी-दस्त के कारण एक सप्ताह के भीतर पांच लोगों की मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान बेबी (दो माह), बुधरी (25), बुधराम (24), लख्खे (45) और उर्मिला (25) के रूप में हुई है।

रेखा गुप्ता ने छठ घाटों का किया उद्घाटन, आप पर त्योहार की तैयारी को लेकर झूठ फैलाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में कई छठ घाटों का उद्घाटन किया और कहा कि इस साल यह त्योहार पूरी भव्यता से मनाया जाएगा। उन्होंने विपक्षी दल आम आदमी पार्टी (आप) पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी के नेता झूठ फैला रहे हैं। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष समेत पार्टी नेताओं ने शहर में छठ की तैयारियों को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। गुप्ता ने कहा कि इस साल छठ की सुंदरता और भव्यता ऐसी होगी जो पहले कभी नहीं देखी गई होगी। उन्होंने कहा, हमारे

काम में खामियां निकालने के लिए (सोशल मीडिया पर) वीडियो पोस्ट करने वाले कुछ भी कह सकते हैं लेकिन हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली में कोई विकास कार्य किए बिना सत्ता में 11 साल बर्बाद कर दिए। गुप्ता ने लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में 70 लाख रुपये से निर्मित छठ घाट का उद्घाटन करते हुए कहा, झूठ फैलाना और प्रचार करना उनकी आदत है। लेकिन भाजपा सरकार जो वादा करती है उसे पूरा करती है। अभी तो केवल आठ महीने हुए हैं और अब भी बहुत काम किया जाना बाकी है। उन्होंने त्योहार से जुड़ी तैयारियों का भी निरीक्षण किया और द्वारका क्षेत्र में दो छठ घाटों का उद्घाटन किया।

इंडिया गठबंधन मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करता है: चिराग पासवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर आरोप लगाया कि विपक्ष मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करता है, और उनके वास्तविक प्रतिनिधित्व से हमेशा किनारा करता है। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पासवान ने कहा, इंडिया गठबंधन यादवों और सहनी समाज के नाम पर

राजनीति कर रहा है, लेकिन मुसलमानों की बात वह केवल वोट के समय करता है। मुसलमानों की जनसंख्या बिहार में लगभग 18 फीसदी है, फिर भी इंडिया गठबंधन ने किसी मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या किसी प्रमुख पद का उम्मीदवार नहीं बनाया। उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव, यादव समाज से हैं, जिनकी आबादी करीब 13 फीसदी है, जबकि मुकेश सहनी, साहनी समाज से आते हैं, जिनकी आबादी लगभग 2 फीसदी है। लेकिन 18 फीसदी मुस्लिम आबादी के बावजूद, मुसलमानों को सत्ता की भागीदारी से वंचित रखा गया है। ये लोग सिर्फ मुसलमानों को डराकर और भावनात्मक मुद्दों पर भड़का कर वोट लेना जानते हैं, उन्हें असली प्रतिनिधित्व देने की उनकी नीयत कभी नहीं रही। पासवान ने वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा सहनी समाज के नाम पर राजनीति करने वाले मुकेश सहनी ने अपने समाज को भुला दिया है। उन्होंने केवल अपने लिए उपमुख्यमंत्री का पद मांगा, समाज के अधिकारों के लिए एक शब्द नहीं कहा। अब वह केवल स्वार्थ की राजनीति कर रहे हैं। लोजपा (रामविलास) प्रमुख ने कहा कि महागठबंधन जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटने की कोशिश कर रहा है।

लोक आस्था और उत्साह के महापर्व छठ पर उत्तर मध्य रेलवे की विशेष तैयारियाँ

छठ गीतों से गूजें उत्तर मध्य रेलवे के स्टेशन स्टेशन

लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के अवसर पर जब घर लौटने की उमंग से रेलवे स्टेशन आस्था और उल्लास से भर उठते हैं, तब उत्तर मध्य रेलवे ने अपनी बेहतरीन तैयारियों से यह सुनिश्चित कर रहा कि हर यात्री सुरक्षित, सहज और समय पर अपनी मंज़िल तक पहुँचे।। इस पर्व की विशेषता ही है कि लोग अपने घर लौटते समय एक दूसरे के सुख-शांति की कामना करते हैं। इस भावनात्मक और सामाजिक जुड़ाव के बीच उत्तर मध्य रेलवे (ठउफ) ने इस बार यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सहजता सुनिश्चित करने के लिए विशेष तैयारियाँ की हैं।

मंगीला हम वरदान हे गंगा मइया
छठी माई के करब हम वरतिया
काँच ही बाँस के बहंगिया
केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव
पहिले पहिल हम कईनी छठ के बरतिया
पटना के घाट पर हमहूँ अरगिया देहब हे छठी मैया
कौने खेत जन्मल धान सुधान हो

जैसे प्रसिद्ध छठ पूजा के गीत 39 से अधिक रेलवे स्टेशनों की उद्घोषणा प्रणालियों से गूंज रहे हैं, जो न केवल यात्रियों के मन को छूने वाला अनुभव बन रहा है, बल्कि उन्हें बिहार की सोंधी संस्कृति से भी जोड़ रहा है। इस वर्ष भारतीय रेल ने छठ के इस अवसर को और भी खास बना दिया है। विशेषकर महिला यात्रियों को इन गीतों को गुनगुनाते हुए भी देखा जा सकता है। भारतीय रेल ने इस प्रकार का प्रयोग पहली बार किया है।

हर साल छठ पूजा के दौरान लाखों की संख्या में बिहार और उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में लोग अपने घरों की ओर लौटते हैं। अपने परिवार संग छठ पूजा मनाने जाने वाले लोगों के लिए इस वर्ष भारतीय रेल ने 12000 से अधिक विशेष ट्रेनो तथा हजारों नियमित ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों को उनके घर शहर पहुंचने का जिम्मा लिया है और सफलतापूर्वक अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करते हुए यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाया है। लेकिन स्टेशनों पर स्टेशन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से छठ के गीतों के साथ यात्रियों का स्वागत शायद पहली बार हो रहा है। यह कोशिश अपने आप में विशिष्ट है और दूर दराज से आने वाले यात्रियों को बिहार की सोंधी संस्कृति से जोड़ रही है।

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अलीगढ़ जंक्शन, इटावा जंक्शन, झिंझक, कानपुर सेंट्रल, खुर्जा जंक्शन, मिर्जापुर, विंध्याचल, टुंडला जंक्शन, फफूंद, सिराथू, प्रयागराज छिवकी, फिरोजाबाद, नैनी जंक्शन, शिकोहबाद जंक्शन, गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, मानिकपुर जंक्शन, चुनार जंक्शन, पनकी धाम, शंकरगढ़, डभौरा, फतेहपुर, सूबेदारगंज, भरवारी, कानपुर अनवरगंज एवं रूरा आदि स्टेशनों पर, झाँसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, ग्वालियर, चित्रकूट, छतरपुर, उरई, टीकमगढ़ एवं खजुराहो आदि स्टेशनों पर एवं आगरा मंडल के आगरा फोर्ट, आगरा कैंट, राजा की मंडी, मथुरा, ईदगाह एवं धौलपुर सहित 39 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर छठ के गीत बजाए जा रहे हैं।

रेलवे के इस प्रयोग से छठ पूजा के लिए जा रहे यात्री विशेष कर महिला यात्री खुशी व्यक्त कर रही हैं। लोक आस्था का महान पर्व छठ लोकगीतों के बिना अधूरा है। छठ घाटों की ओर जाने वाली महिलाएं समूह में छठ के गीत गाते चलती हैं और छठी मैया से अपने, परिवार, समाज और देश के लिए आशीष मांगती हैं। दूर दराज से ट्रेन पड़कर आ रहे यात्रियों की ट्रेन जब उनके रेलवे स्टेशन पर पहुंची, तो यात्रियों को छठ के गीत सुनाई पड़ने लगे।

तीनों मण्डल स्तर पर यात्री सुविधाओं संबंधित विशेष इंतजाम

किये गए हैं। प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर, यात्री सहायता केंद्र एवं ह्लटं८ कली'स्र ou" बूथ स्थापित किए गए हैं, जहाँ यात्रियों को यात्रा संबंधी त्वरित जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। साथ ही, 139 हेल्पलाइन नंबर पर सहायता मांगे जाने पर यात्रियों को तत्काल टीटीई, मेडिकल किट या डॉक्टर की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हो सके।

मजबूत सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था

प्रयागराज, झाँसी और आगरा मण्डल सहित मुख्यालय स्तर पर ह्वडिविजनल वॉर रूमह्ल स्थापित किए गए हैं, जहाँ आरपीएफ, रेल मदद एवं वाणिज्य विभाग की संयुक्त टीमें लगातार निगरानी रख रही हैं। यात्रियों की सहायता के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं तथा प्रत्येक स्टेशन पर पीए सिस्टम के माध्यम से नियमित सूचना प्रसारण सुनिश्चित किया गया है।

छठ महापर्व के पावन अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे न केवल यात्रियों को सुरक्षित पहुँचाने का दायित्व निभा रहा है, बल्कि उनके उत्साह और भक्ति में सच्चे मन से सहभागी भी बन रहा है।स्टेशन परिसर में गूंजते छठ गीत, यात्रियों की मुस्कान और रेलवे कर्मियों की तत्परता - यह सभी मिलकर एक ऐसा दृश्य प्रस्तुत करते हैं, जो केवल यात्रा नहीं, बल्कि त्योहार का अनुभव भी प्रदान करता है।

उत्तर मध्य रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे रेलवे कर्मियों द्वारा दी जा रही हिदायतों का पालन करें और यात्रा के दौरान संयम बनाये रखें, ताकि आपकी यात्रा सुरक्षित, सुगम एवं आनंदमय हो।

रेलवे छठ पूजा के बाद यात्रियों की वापसी यात्रा को सुगम बनाने के लिए तैयार

गोरखपुरः भारतीय रेल यात्रियों की त्योहारों की यात्रा को सुगम और आरामदायक बनाने के लिए देशभर में 12,000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चला रही है। भारी त्योहारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए, प्रमुख स्टेशनों जैसे नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, उधना, पुणे, मुंबई, बेंगलुरु, गोरखपुर, छपरा, सीवान बनारस, बलिया आदि पर सभी यात्री सुविधाओं से युक्त होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। रेलवे कर्मचारी चौबीसों घंटे यात्रियों का मार्गदर्शन करने, व्यवस्था बनाए रखने और सभी को सुरक्षित रूप से अपने घर तक पहुँचाने में जुटे हैं ताकि वे अपने परिजनों के साथ त्योहार मना सकें। अब भारतीय रेल छठ पूजा के बाद यात्रियों की सुरक्षित और आरामदायक वापसी यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 28 अक्टूबर से नवंबर माह के दौरान यात्रियों की वापसी यात्रा को सुगम बनाने के लिए 6181 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिससे लोग अपने कार्यस्थलों पर समय पर लौट सकें। बढ़ती मांग को देखते हुए नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े जा रहे हैं। प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया को मौसमरोधी बनाया गया है ताकि यात्रियों को ट्रेनों के प्रस्थान से पहले सुविधाजनक प्रतीक्षा स्थल मिल सके। बिहार के पटना, दानापुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गया, समस्तीपुर, बरौनी आदि तथा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बलिया और बनारस जैसे स्टेशनों पर ये व्यवस्थाएं की गई हैं। गोरखपुर जं. स्टेशन पर (लगभग 2500 वर्ग मीटर) में 05, छपरा जं. स्टेशन पर (लगभग 600 वर्ग मीटर) में 02,

सीवान स्टेशन पर (लगभग 450 वर्ग मीटर) में 02, बलिया स्टेशन पर 200 वर्ग मीटर एवं बनारस स्टेशन पर 190 वर्ग मीटर में 01-01 होल्डिंग एरिया बनाए गये है। इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन, पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम काउंटर और मोबाइल अनरिजर्व्ड टिकटिंग सुविधाओं को भी बढ़ाया गया है। इसके अतिरिक्त अभिनव पहल के अन्तर्गत गोरखपुर जं. स्टेशन पर 10, छपरा जं. स्टेशन पर 08, सीवान जं. स्टेशन पर 07, बनारस स्टेशन पर 03 तथा बलिया स्टेशन पर 02 मोबाइल यू.टी.एस. का भी उपयोग किया जा रहा है। सुरक्षा और संचालन की सुचारू व्यवस्था के लिए रेलवे सुरक्षा बल को पर्याप्त संख्या में तैनात किया गया है। यात्री सहायता बूथ, सूचना काउंटर, कतार प्रबंधन प्रणाली और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम को भी और सशक्त किया गया है। प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और सैनिटेशन सुविधाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। रेल भवन, जोनल और मंडल स्तर पर समर्पित वार रूम 24 ग 7 कार्यरत हैं ताकि संचालन की वास्तविक समय में निगरानी की जा सके और यात्रियों की किसी भी आवश्यकता पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया, सहरसा, गोरखपुर आदि स्टेशनों पर 24ॐ7 मेडिकल बूथ स्थापित किए गए हैं ताकि किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति में तत्काल सहायता दी जा सके। राज्य सरकार, अग्निशमन विभाग और एंबुलेंस सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित कर आपातकालीन सेवाओं को तत्पर रखा गया है। भारतीय रेल यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस त्योहारी सीजन में समर्पण और सेवा भाव के साथ राष्ट्र की सेवा में तत्पर है।

2025 को छपरा से एक फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने के लिये 05066/05065 मथुरा कैण्ट-छपरा-मथुरा कैण्ट अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन 25 अक्टूबर,2025 को मथुरा कैण्ट से तथा 28 अक्टूबर,2025 को छपरा से एक फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05066 मथुरा कैण्ट-छपरा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 25 अक्टूबर,2025 को मथुरा कैण्ट से 23.50 बजे प्रस्थान कर दूसरे हाथरस सिटी से 00.29 बजे, कासगंज से 01.35 बजे, सोरो सूकर क्षेत्र से 01.52 बजे, बदायूँ से 02.50 बजे, बरेली से 03.45 बजे, बरेली सिटी से 04.10 बजे, इज्जतनगर से 04.30 बजे, भोजीपुरा से 04.50 बजे, पीलीभीत से 05.35 बजे, पूरनपुर से 07.00 बजे, मैलानी से 08.00 बजे, लखीमपुर से 08.45 बजे, सीतापुर से 09.40 बजे, बुढ़वल से 11.25 बजे, गोण्डा से 13.05 बजे, मनकापुर से 13.37 बजे, बस्ती से 14.37 बजे, खलीलाबाद से 15.15 बजे, गोरखपुर से 16.10 बजे, कप्तानगंज से 17.15 बजे, रामकोला से 17.42 बजे, पडरौना से 18.02 बजे, थावे से 19.45 बजे, दिघवा दुबौली से 21.12 बजे तथा मसरख से 21.34 बजे छूटकर छपरा 22.45 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05065 छपरा-मथुरा कैण्ट अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 28 अक्टूबर,2025 को छपरा से 20.00 बजे प्रस्थान कर मसरख से 21.02 बजे, दिघवा दुबौली से 21.24 बजे, थावे से 23.25 बजे, दूसरे दिन पडरौना से 00.52 बजे, रामकोला से 01.14 बजे, कप्तानगंज से 01.42 बजे, गोरखपुर से 02.50 बजे, खलीलाबाद से 03.32 बजे, बस्ती से 04.12 बजे, मनकापुर से 05.12 बजे, गोण्डा से 05.40 बजे, बुढवल से 07.20 बजे, सीतापुर से 09.10 बजे, लखीमपुर से 10.00 बजे, मैलानी से 10.45 बजे, पूरनपुर से 11.42 बजे, पीलीभीत से 12.45 बजे, भोजीपुरा से 13.42 बजे, इज्जतनगर से 14.02 बजे, बरेली सिटी से 14.25 बरेली से 14.40 बजे, बदायूं से 15.42 बजे, सोरो सूकर क्षेत्र से 16.40 बजे, कासगंज से 17.10 बजे तथा हाथरस सिटी से 18.10 बजे छूटकर मथुरा कैण्ट 19.20 बजे पहुंचेगी।

संक्षिप्त खबरें

जिला कारागार में भाइयों से मिलीं बहनें

बस्ती। भैया दूज पर जिला कारागार में भावनात्मक माहौल देखने को मिला। दो सौ से अधिक बहनें भाइयों से मिलने जेल पहुंचीं। जेल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की थी। एहतियातन खोआ की मिठाई ले जाने पर प्रतिबंध रहा मगर अन्य कोई भी मिठाई 250 ग्राम तक ले जाने की अनुमति दी गई। जेल प्रशासन ने मुलाकात के दौरान सुरक्षा, शांति और व्यवस्थित व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त स्टाफ तैनात किया। माहौल शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण बना रहा। मुलाकात के बाद बहनों के चेहरे पर खुशी दिखाई दे रही थी। उन्होंने बताया कि वे अपने भाइयों के साथ समय बिताकर भावनात्मक रूप से संतुष्ट महसूस कर रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन केवल त्योहार मनाने का माध्यम नहीं होते, बल्कि इससे कैदियों के मनोबल में वृद्धि और उनके सामाजिक पुनर्वास में मदद मिलती है।

दो बाइक की टक्कर में पांच लोग घायल

कप्तानगंज (बस्ती)। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बढ़या पुल के पास बुधवार रात लगभग 8:00 बजे दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में किसी भी बाइक सवार ने हेलमेट नहीं पहना था। पगार मार्ग पर बढ़या पुल के निकट हुई इस टक्कर में पहले हादसे में बाइक सवार महेंद्र प्रताप (30), रुदल (55) निवासी लहिलवारा गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी बाइक पर सवार विवेक कुमार (18), अंश (17) और नीरज (25) निवासी खिरिहवा थाना कप्तानगंज भी गंभीर रूप से घायल हुए। हादसा होने पर चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को सीएचसी कप्तानगंज ले गए, जहां उनका प्राथमिक इलाज किया गया। डॉक्टरों ने सभी घायलों की गंभीर स्थिति देखते हुए जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया।

आज से शुरू होगी ट्रांसफॉर्मरों की मरम्मत

बस्ती। जिले भर में ट्रांसफार्मरों की मरम्मत का कार्य शुक्रवार से प्रारंभ हो जाएगा। त्योहार के चलते पिछले चार- पांच दिनों से यह कार्य ठप पड़ा था। अधीक्षण अभियंता रणजीत चौधरी ने बताया कि शहरी क्षेत्र के ट्रांसफार्मरों की विधिवत रिपेयरिंग के साथ उसमें डीटी मीटर लगवाया जाएगा। इसके अलावा जिस पोल का निचला हिस्सा जंग खाकर खोखला हो चुका है, उसकी बिल्डिंग कराकर उसे मजबूत बनाया जाएगा। यह सभी कार्य शुक्रवार से प्रारंभ कर दिए जाएंगे। ठेकेदारों को निर्देश दिए जा चुके हैं। प्रयास है कि शहरी क्षेत्र के 550 ट्रांसफार्मरों की रिपेयरिंग और डीटी मीटर लगाने का कार्य अविलंब पूरा कर लिया जाए।

भंडारे और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

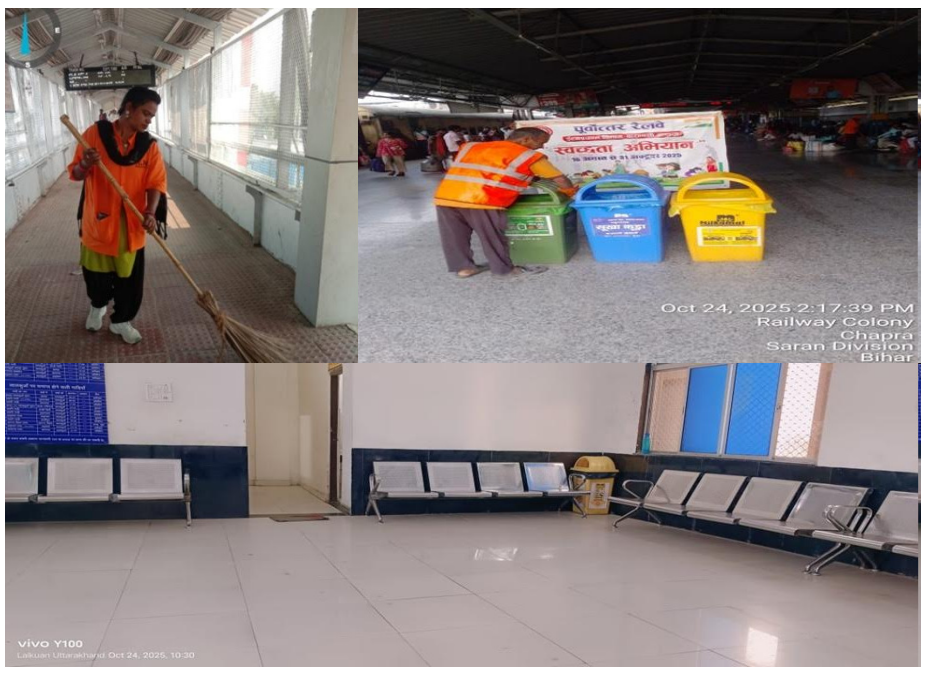

बस्ती। रामनगर विकास खंड के चंदोखा गांव में श्री लक्ष्मी पूजा समिति की ओर से भंडारा व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिलता है। कहा कि किसी मुकाम को हासिल करने के लिए काफी त्याग व परिश्रम करना पड़ता है। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि गांव के विकास के लिए क्रिकेटर शुभम पांडेय ने कुछ मांग रखी है। उसे दो माह के भीतर पूरा करवा दिया जाएगा।

रबी सीजन की शुरूआत में ही डीएपी की किल्लत किसान परेशान

बस्ती। रबी सीजन की शुरूआत में ही डीएपी की मांग बढ़ गई है। अगेती खेती करने वाले किसानों की धान की फसल कटकर घर पहुंच चुकी है। खाली खेत में लोगों ने सरसों, चना, मटर की बुवाई शुरू कर दी है। इसके लिए डीएपी की जरूरत पड़ रही है। इधर, दीपावली की छुट्टी होने से तीन-चार दिन से समितियां बंद हैं। किसान डीएपी के लिए दौड़भाग कर रहे हैं। इस बार फार्मर रजिस्ट्री कराने वाले किसानों को वितरण में प्राथमिकता दी जा रही है। जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं हुई है, उन्हें खाद मिलने में कठिनाई हो रही है। पिछले साल अक्तूबर में 2403 और नवंबर में 7242 मीट्रिक टन डीएपी वितरित हुई थी। इस बार अक्तूबर में डीएपी वितरण का लक्ष्य 2041 और नवंबर में 7292 मीट्रिक टन निर्धारित है। इस तरह दोनों महीनों में 9333 मीट्रिक टन डीएपी का वितरण होना है। अभी सरसों और तोरिया की ही छिटपुट बुवाई शुरू हुई है। इसलिए छिटपुट मात्रा में ही किसानों को डीएपी की जरूरत पड़ रही है। लेकिन, पिछले दिनों यूरिया वितरण को लेकर जगह-जगह मचे हाहाकार के कारण किसान अभी से इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करना चाह रहे हैं। वहीं महकमा अपनी किरकिरी कराने से बचने के पहले से अलर्ट है। कृषि विभाग के अनुसार, अक्तूबर और नवंबर माह के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 8410 मीट्रिक टन डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित है। लेकिन, इस बार किसानों को बल्क में डीएपी नहीं दी जाएगी। मानक के अनुरूप ही वितरण कराने की तैयारी है। निजी क्षेत्र के दुकानदारों के यहां 3044 एमटी डीएपी पहुंचा दी गई है। इसके अलावा 126 समितियों पर भी डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है।

आजम खां की तस्वीर पर कालिख पोतने का आरोप

पुरानी बस्ती। क्षेत्र के निर्मली कुंड के पास छठ पूजा के पोस्टर पर छपे सपा नेता आजम खां के फोटो पर कालिख पोते जाने का मामला बृहस्पतिवार को सामने आया। इसे लेकर सपा कार्यकताओं में आक्रोश है। बृहस्पतिवार को समाजवादी युवजन सभा (सयुस) के जिलाध्यक्ष विपिन त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने शिव सेना कार्यकर्तओं पर आरोप लगाते हुए कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी है। एसओ महेश सिंह ने कहा कि मामले की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डीजे बजाने के विवाद में बघौड़ा गांव में तनाव

कप्तानगंज (बस्ती)। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बघौड़ा गांव में बुधवार रात डीजे को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इससे गांव में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। अधिकारियों ने बताया कि झगड़े में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण बनी थी। पुलिस ने दोनों पक्ष के लोगों को शांति भंग के तहत पाबंद कर चालान किया। बुधवार की रात लगभग 10 बजे गांव के एक समारोह में डीजे बजाने को लेकर दोनों पक्षों में टकराव हो गया। मामूली बात पर शुरू हुई कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे को देख लेने की धमकी देने लगे। ग्रामीणों ने बताया कि स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिस को बुलाना पड़ा।

बकाया वसूलने गए कर्मी से मारपीट

पुरानी बस्ती। क्षेत्र के मंगल बाजार निवासी पिता व दो पुत्रों पर बृहस्पतिवार दोपहर बकाया वसूलने गए बिजली विभाग के संविदा लाइनमैन मनोज कुमार चौधरी को अपशब्द कहते हुए लोहे की रॉड, डंडे से पीटने का आरोप है। मनोज ने पुरानी बस्ती पुलिस को तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

31 नामजद आरोपियों में से सिर्फ पांच गिरफ्तार

कानपुर। अखिलेश दुबे प्रकरण में 31 नामजद आरोपियों में से पुलिस अब तक सिर्फ पांच मुख्य आरोपियों को ही गिरफ्तार कर सकी है। इंस्पेक्टर सभाजीत सहित अन्य 26 आरोपियों की गिरफ्तारी पर पुलिस ने चुप्पी साध रखी है, जिससे मामले की जांच पर सवाल खड़े हो गए हैं। कानपुर में वसूली समेत अन्य मामलों दर्ज पांच मामलों में भले ही अखिलेश दुबे समेत 31 लोग नामजद हों पर पुलिस सिर्फ अखिलेश दुबे, उसके करीबी लवी मिश्रा, अधिवक्ता शैलेंद्र यादव उर्फ टोनू, कथित पत्रकार विपिन गुप्ता और इंस्पेक्टर सभाजीत को ही गिरफ्तार कर सकी है। अन्य आरोपियों पर पुलिस चुप्पी साधे है। छह अगस्त को भाजपा नेता रवि सतीजा ने बर्रा थाने में अखिलेश और लवी मिश्रा के खिलाफ 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने, झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके अलावा उन्होंने दो महिलाओं, विमल यादव, अभिषेक बाजपेई, शैलेंद्र यादव उर्फ टोनू पर भी आरोप लगाए थे। इस मामले में अखिलेश और लवी को गिरफ्तार कर सात अगस्त को जेल भेज दिया गया था। वहीं, झूठे मुकदमे में फंसाने के लिए लड़कियां सप्लाई करने के आरोपी शैलेंद्र को पुलिस ने 17 अगस्त को गिरफ्तार किया था जबकि दोनों महिला आरोपी सरकारी गवाह बन गईं। विमल और अभिषेक बाजपेई तक पुलिस पहुंच ही नहीं पाई। इसके बाद ग्वालटोली, कोतवाली में एक-एक और किदवईनगर थाने में दो रिपोर्ट दर्ज हुईं। 2.5 करोड़ की रंगदारी लेने का लगाया था आरोप इन पीड़ितों में स्वरूपनगर निवासी होटल कारोबारी सुरेश पाल भी शामिल हैं जिन्होंने अखिलेश पर सामूहिक दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसा कर 2.5 करोड़ की रंगदारी लेने का आरोप लगाया था। किदवईनगर थाने में दर्ज इस रिपोर्ट में लवी भी आरोपी है। अधिवक्ता संदीप शुक्ला की ओर से कोतवाली में दर्ज रिपोर्ट में अखिलेश दुबे, पप्पू स्मार्ट, आमिर बिच्छू, शोएब उर्फ पप्पी, जैन कालिया, फराज, रामेंद्र उर्फ गुड्डू, हर्षित यादव को आरोपी बनाया गया लेकिन इसमें किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई थी। सिर्फ सभाजीत की गिरफ्तारी हुई किदवईनगर थाने में ही सच का आईना संस्था के महामंत्री शैलेंद्र कुमार की ओर से दर्ज रिपोर्ट में अखिलेश के अलावा पंकज दीक्षित, कथित पत्रकार विपिन गुप्ता व तीन अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इनमें से सिर्फ विपिन को गिरफ्तार किया गया। वक्फ संपत्ति के मुतवल्ली मोईनुद्दीन आसिफ जाह शेख आसिफ जाह ने कूटरचित दस्तावेजों से जमीन कब्जाने का आरोप लगाकर ग्वालटोली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

खलीलाबाद स्टेशन पर पैदल उपरिगामी पुल की सफाई करते हुए सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 24 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर तथा लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाल कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। इस दौरान प्लेटफार्मो, प्रतीक्षालयों, कार्यालयों तथा ट्रैक के दोनों किनारों की सफाई की गई। 24 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों, संविदा कर्मचारियों और रेलवे कर्मचारियों ने स्वच्छता के साथ जन जागरूकता रैली निकालकर स्टेशनों, कॉलोनियों, अस्पतालों, डिपो, रेल पटरियों और अन्य क्षेत्रों की सफाई की गई। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर रखे कूड़ेदानों की सफाई की गई। इस दौरान यात्री के बैठने के स्थानों तथा बेंचों की सफाई की गई और स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों के साथ स्वच्छता सम्बंधी नारे, पोस्टर एवं बैनरों के माध्यम से एक जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इज्जतनगर मंडल के काठगोदाम, हलद्वानी, लालकुआं जंक्शन, काशीपुर, रुद्रपुर सिटी, बरेली सिटी, पीलीभीत, कासगंज, फरूर्खाबाद, फतेहगढ़ और कन्नौज स्टेशनों पर प्लेटफार्मो, प्रतीक्षालयों एवं कार्यालयों की सफाई गई तथा कूड़ेदानों की सफाई कर निर्धारित स्थानों पर रखा गया। इस दौरान कूड़ेदानों को खाली कर धुलाई की गई तथा स्टेशन परिसर और ट्रैक के दोनों किनारों पर खुली और ढ़की हुई नालियों की सफाई कर चूना एवं कीटनाशक पाउडर का छिड़काव किया गया।

ससुराल में दामाद ने ममेरे ससुर को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा इस बात को लेकर की हत्या

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में अधेड़ की हत्या की जानकारी मिलते ही मौके पर दुद्धी थाने की पुलिस भी पहुंच गई। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपियों पड़ोसियों से भी झगड़ा कर चुका है।सोनभद्र के दुद्धी कस्बा के मलदेवा गांव में गुरुवार की आधी रात दामाद ने अपने ममेरे ससुर की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी। अचानक हुई इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई। आरोपी मनोरोगी बताया जा रहा है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। चोपन निवासी दारा प्रसाद पुत्र मुन्ना गुरुवार को अपने ससुराल मलदेवा गांव में आया था। रात करीब साढ़े बारह बजे अचानक उठा और घर से बाहर निकलकर गाली गलौज करने लगा। इसी दौरान बिरहा सुनने जा रहा बगल में रहने वाले ममेरे ससुर का चचेरा भाई उमेश पठारी (52) ने विरोध जताते हुए टोका तो दारा ने उसपर हमला बोल दिया। लाठी-डंडे से उनके सिर सहित शरीर के कई हिस्सों पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शोरगुल सुनकर घर के लोग मौके पर पहुंचे और लहूलुहान हालत में उमेश को सीएचसी दुद्धी ले गए, जहां चिकित्सक डॉ. वरुणा निधि ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर सीओ राजेश कुमार राय, कोतवाल स्वतंत्र कुमार सिंह और कस्बा चौकी इंचार्ज जयशंकर राय मौके पर पहुंचे।

जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान, भारत में होना है आयोजन; एफआईएच ने की पुष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान की जगह कौन सी टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी इसकी घोषणा जल्द की जाएगी। जूनियर हॉकी विश्व कप का आयोजन 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होगा। पाकिस्तान नवंबर और दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हट गया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफ आईएच) ने शुक्रवार को न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से इसकी पुष्टि की है। एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान की जगह कौन सी टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी इसकी घोषणा जल्द की जाएगी। जूनियर हॉकी विश्व कप का आयोजन 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होगा। एफआईएच ने बताया, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एफआईएच को सूचित कर दिया है

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

मुरैना। मुरैना अंबाह मार्ग स्थित जींगनी गांव के पास गुरुवार शाम बाइक सवार एक युवक में ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौत हो गई। युवक अपनी बहन के यहां टीका कराकर वापस अपने घर जा रहा था। बताया गया है कि तिवारी का पुरा निवासी पप्पू तिवारी आज भाई दौज पर घुरघान गांव में अपनी बहन से टीका कराने गया था। टीका कराने के बाद वह बाइक से मुरैना की ओर आ रहा था। जब वह केन्द्रीय विद्यालय के सामने से होकर गुजर रहा था। उसी समय ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। पप्पू को तुरंत जिला अस्पताल लाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

ट्रक की टक्कर से बोलेरो सवार दो युवक घायल

बैराड़। बैराड़ थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक गंभीर सड़क हादसा हुआ। झिरी-भौराना रोड पर बोलेरो और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें बोलेरो सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही बैराड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को शिवपुरी जिला अस्पताल भेजा गया। घायलों की पहचान गोपाल धाकड़ और विनोद धाकड़, निवासी जौराई गांव के रूप में हुई। दोनों किसी कार्य से शिवपुरी आए थे और लौटते समय रात करीब 9 बजे यह हादसा हुआ।

रोजगार का सशक्त माध्यम है आजीविका मिशनः तोमर

■ विधानसभा अध्यक्ष ने किया आकांक्षी हाट का शुभारंभ

■ मुरैना

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि नीति आयोग द्वारा आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत 4 जुलाई से 30 सितंबर तक तीन महीने का संपूर्णता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य आकांक्षी ब्लॉकों में चिन्हित छह संकेतकों में से प्रत्येक में पूर्णता हासिल करना था। यह बात उन्होंने गुरुवार को टाउन हॉल मुरैना में चार दिवसीय आकांक्षी हाट का शुभारंभ करते हुए कही।

इस अवसर पर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, जिलाधीश लोकेश कुमार जांगिड़, भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव,

स्व-सहायता समूह की महिलाओं को सम्मानित करते विधानसभा अध्यक्ष।

पूर्व मंत्री मुंशीलाल, पूर्व विधायक परशुराम मुदगल सहित बड़ी संख्या में जिले की स्व-सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित थीं। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि आजीविका मिशन मुरैना जिले में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है और यह महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता एवं रोजगार का सशक्त माध्यम बन गया है। उन्होंने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की शुरुआत देश के उन ब्लॉकों से की गई थी जो विकास की दौड़ में पीछे रह गए थे। अब इस कार्यक्रम के दूसरे चरण में वे जिले भी शामिल किए गए हैं जो पहले चरण में छूट गए थे। श्री तोमर ने कहा कि उनके लिए यह सौभाग्य की बात है कि जब यह मिशन प्रारंभ हुआ था तब वे केन्द्र सरकार में मंत्री थे। उस समय श्योपुर जिला इस मिशन में अग्रणी रहा।

दुग्ध उत्पादन में स्व-सहायता समूहों की भूमिका महत्वपूर्ण

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने इस बात पर जोर दिया कि जैविक उत्पादों की पैकेजिंग आकर्षक और गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए ताकि वे बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकें। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में भी स्व-सहायता समूहों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुरैना और आसपास के क्षेत्रों में इसके लिए व्यापक बाजार उपलब्ध है। सरकार द्वारा इस दिशा में भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिसमें 10 जानवरों पर 42 लाख रुपए का ऋण और उस पर 10 लाख रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। इस प्रकार की योजनाएं छोटी इकाइयों को सुदृढ़ बनाती हैं। इस अवसर पर सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत दूरदराज के उन क्षेत्रों में भी विकास की किरण पहुंची है जहां पहले संसाधनों का अभाव था।

बहनों ने भाइयों को तिलक कर दीर्घायु की कामना की

■ भितरवार

भाई-बहन के प्यार का प्रतीक भैया दूज पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों को तिलक कर नारियल भेंट किया और उनकी दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को रक्षा का वचन देते हुए उपहार भेंट किए।

भैया दूज के अवसर पर बहनों ने व्रत रखकर पारंपरिक रीति से पूजा-अर्चना की। दीपोत्सव की पंचकल्याणी पर्व श्रृंखला का समापन भी इसी दिन हुआ। त्योहार को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। सुबह से ही बहनें तिलक की थाली तैयार करने में जुटी रहीं। उन्होंने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी और नारियल भेंट किए। वहीं भाइयों ने भी उपहार देकर रक्षा का वचन दिया। बुधवार की शाम से ही बाजारों में रौनक रही। बहनों ने नारियल, मिठाई आदि खरीदीं, वहीं भाइयों ने उपहार। जो भाई-बहन दूर-दराज रहते थे, वे एक दिन पहले ही पहुंच गए ताकि सुबह-सुबह तिलक का शुभ कार्य हो सके।

गुरुवार को भी बाजार गुलजार रहे और चारों ओर उल्लास का माहौल रहा। खील, नारियल और मिठाइयों की सबसे अधिक खरीदारी हुई। गौरतलब है कि दीपावली के बाद कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। इस दिन बहनें स्नान-ध्यान के बाद घर की साफ-सफाई करती हैं, दीवारों पर 'दोज' लिखती हैं, देवी यमुना और भाई यमराज की कथा सुनती हैं और भाइयों के तिलक के साथ उनकी दीर्घायु की कामना करती हैं।

फैक्ट्री में झुलसे मजदूर की मौत

मुरैना। गत दिवस जेएमडी ग्रीनटेक टायर पायरोलिसिस फैक्ट्री में हुई आगजनी में तीन मजदूर झुलस गए थे। इनमें से एक मजदूर की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधीश लोकेश कुमार जांगिड़ ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ग्वालियर क्षेत्रीय कार्यालय एवं राजस्व टीम मौके पर भेजी। टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर प्रारंभिक जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिसमें ग्वालियर क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा यूनिट के संचालन में पाई गई कमियों को लेकर मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मुख्यालय प्रतिवेदन भेजा गया है। जिसके आधार पर बोर्ड द्वारा यूनिट को बंद कराने की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधीश ने बताया कि श्रम कानूनों के प्रावधानों के तहत फैक्ट्री मालिक द्वारा मृत मजदूर के परिजनों को 13.75 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही जिले में संचालित सभी टायर पायरोलिसिस इकाइयों की समग्र जांच की जा रही है। जहां भी मानकों का उल्लंघन पाया जाएगा।

मामूली विवाद पर युवक को पीटा, ग्वालियर रेफर

■ भितरवार

भितरवार थाना क्षेत्र के छिरेंटा गांव में आपसी विवाद में 35 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह खेत में आग लगने को लेकर कुशवाह समाज के दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद के दौरान एक पक्ष के युवक बहादुर सिंह कुशवाह (35) के साथ दूसरे पक्ष के युवक ने मारपीट कर दी, जिससे वह बेहोश हो गया। बताया जा रहा है कि खेत में अज्ञात कारणों से आग लग गई थी, इसी को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई और मामला हाथापाई में बदल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। परिजनों ने बहादुर सिंह को भितरवार सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे ग्वालियर रेफर कर दिया।

ई-रिक्शा पलटने से महिला घायल

■ भितरवार

भितरवार थाना क्षेत्र के केरूआ गांव के पास ई-रिक्शा पलटने से 24 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार खुशी रावत (24) पत्नी हरिश्चंद्र रावत निवासी भरसूला, जिला दतिया, गुरुवार को भाई दूज का त्योहार होने के चलते केरूआ गांव स्थित अपने मायके में भाई को तिलक करने आई थीं। ई-रिक्शा में महिला का पति हरिश्चंद्र रावत और एक अन्य युवक, जो ई-रिक्शा चला रहा था, सवार थे। केरूआ गांव के पास अचानक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में महिला को गंभीर चोटें आईं। घायल अवस्था में महिला को पति एवं चालक द्वारा भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे ग्वालियर रेफर कर दिया गया।

प्रेमी जोड़े का वीडियो वायरल, दो दिन में नहीं हुई कार्रवाई तो कर लेंगे आत्महत्या

■ विगत माह परिजनों के विरूद्ध जाकर किया था प्रेम विवाह

■ पुलिस पर लगाया कार्रवाई नहीं करने का आरोप

■ श्योपुर

मानपुर थाना क्षेत्र के तलावदा गांव में विगत माह घर से भागकर परिजनों की मंशा के विरूद्ध प्रेम विवाह करने वाले जोड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें युवक के परिजनों पर दबाव बनाने और पुलिस द्वारा कोई कार्रवाद नहीं करने के आरोप लगाए गए हैं। वीडियो में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि पुलिस ने दो दिन में उनकी मदद करते हुए कोई कार्रवाई नहीं की तो वह दोनों आत्महत्या कर लेंगे।

वायरल वीडियो में युवती ने सुसाइड नोट सोशल मीडिया और पुलिस अधीक्षक को भेजने की बात कही है। वीडियो में अर्चना वैष्णव ने कहा है कि यदि पुलिस ने दो दिन के भीतर आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की तो वह और उसके पति उमेश आत्महत्या कर लेंगे। जानकारी के अनुसार अर्चना और उमेश ने परिवार की मर्जी के खिलाफ एक महीने पहले प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद से वे इंदौर में रह रहे हैं। युवती के परिजन लगातार उमेश के परिवार को धमका रहे हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी पक्ष उनके घर में घुसकर मारपीट, झगड़े और जान से मारने की धमकियां देता है। पीड़ित परिवार ने मानपुर थाने में कई बार लिखित शिकायतें देकर सुरक्षा की मांग की थी। इस मामले में पुलिस पर कोई सुनवाई नहीं करने और कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया गया है।

इनका कहना है

लड़की फेसबुक के माध्यम से अपने पिता और भाई के विरूद्ध कार्रवाई करना चाह रही है। हमारे पास अभी कोई शिकायती आवेदन नहीं आया है। यदि पीड़िता थाने आकर या किसी अन्य माध्यम से हमें शिकायत दर्ज कराती है तो इसकी जांच कर काईवाई करेंगे।

-पप्पू यादव, थाना प्रभारी, मानपुर

कोलारस विधायक के चचेरे भाई के घर लाखों की चोरी

■ तिजोरी और अलमारियों के ताले तोड़कर जेवर और नकदी ले गए

■ शिवपुरी

जिले के इंदार थाना क्षेत्र के ग्राम तरावली में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। यह गांव कोलारस विधायक महेंद्र यादव का पैतृक गांव है। चोरों ने विधायक के चचेरे भाई राजीव यादव के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी कर ली।

राजीव यादव (40) पुत्र कप्तान सिंह यादव ने बताया कि वे 22 अक्टूबर को अपने परिवार के साथ शिवपुरी स्थित संतुष्टि अपार्टमेंट गए थे। घर पर उनकी मां मुन्नीबाई यादव अकेली थीं। अगले दिन सुबह करीब साढ़े छह बजे मां ने फोन कर बताया कि रात में घर में चोरी हो गई है। राजीव यादव जब गांव पहुंचे, तो घर के सभी कमरों का सामान बिखरा हुआ मिला। तीन अलमारियों और तीन से चार बक्सों के ताले टूटे हुए थे। तिजोरी भी टूटी अवस्था में पड़ी थी। चोरी गए सामान में छह सोने की चूड़ियां, तीन चेन, 16 अंगूठियां, दो कड़े, दो टॉप्स, एक सुई-धागा सेट, चांदी के 20 सिक्के और करीब 50 हजार रुपये नकद शामिल हैं।

राजीव यादव का कहना है कि चोरों ने संभवतः जहरीली गैस का इस्तेमाल किया, जिसके कारण उनकी मां को रात में कुछ सुनाई या महसूस नहीं हुआ। आमतौर पर उनकी मां सुबह पांच बजे उठ जाती हैं, लेकिन घटना वाली रात वे करीब एक घंटे देर से जागीं।

पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। इंदार थाना पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और सबूत जुटाए हैं। पुलिस के अनुसार, यह वारदात सुनियोजित तरीके से की गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। राजीव यादव के पुराने घर के पास एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा था, जिससे यह आशंका है कि चोरों ने पहले से रेकी कर वारदात को अंजाम दिया।

ट्रक में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

शिवपुरी। दिनारा थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक आयशर ट्रक में आग लग गई। चिरौली गांव के पास पिछोर-दिनारा रोड पर हुई इस घटना में ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गया। हालांकि, चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। डबरा निवासी ट्रक मालिक और चालक हाकिम सिंह भोपाल से खाली ट्रक लेकर अपने घर डबरा लौट रहे थे। रात करीब 3 बजे चिरौली गांव के पास अचानक ट्रक की लाइट बंद हो गई। जब चालक नीचे उतरा, तो उसने ट्रक के अगले हिस्से से धुआं उठते देखा, और कुछ ही पलों में आग की लपटें तेज हो गईं। चालक हाकिम सिंह ने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जल चुका था।

नदी किनारे मिला किसान का शव

शिवपुरी। दिनारा थाना क्षेत्र के छितिपुर गांव में बुधवार दोपहर एक कृषक का शव नदी किनारे पड़ा मिला। मृतक की पहचान 54 वर्षीय जगदीश लोधी पुत्र देशराज लोधी के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि जगदीश भैंसे चराने गया था, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा। जब परिजन तलाश करने पहुंचे, तो वह नदी किनारे मृत अवस्था में मिला। परिजन उसे झांसी अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि जगदीश की मृत्यु नदी में डूबने से हुई है। दिनारा थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मृतक के परिजन हजरत लोधी ने थाने में सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए करैरा भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है।

अटेर तहसील के खिपौना गांव में पहुंचा मगरमच्छ

■ वन विभाग की टीम ने पकड़कर चंबल नदी में छोड़ा

■ भिण्ड

अटेर तहसील के ग्राम खिपौना में बुधवार को देर रात एक मगरमच्छ बस्ती के भीतर पहुंच गया। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पहुंची वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद उसे चंबल नदी में छोड़ दिया गया।

जानकारी के अनुसार बुधवार-गुरुवार की रात करीब 1.50 बजे ग्राम खिपौना की आबादी वाले हिस्से में एक बड़ा मगरमच्छ पहुंच गया। गांव वालों ने जब उसे देखा तो तुरंत 112 डायल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कुछ समय बाद 112 वाहन मौके पर पहुंचा और स्थिति की जानकारी अटेर थाना प्रभारी बालवीर चौरसिया को दी। थाना प्रभारी के निर्देश पर वन विभाग की टीम को तत्काल सूचना दी गई। रात करीब दो बजे वन विभाग की टीम गांव में पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

रेस्क्यू के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित वाहन से ले जाकर चंबल नदी में तड़के करीब 3.30 बजे छोड़ा गया। रेस्क्यू टीम में डिप्टी रैंजर बालवीर चौरसिया, जयकरन सिंह परिहार, रेस्क्यू एक्सपर्ट जग्गू परिहार और भगीरथ शामिल थे। करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया गया। वन विभाग के अनुसार चंबल नदी के किनारे बसे गांवों में कभी-कभी भटक कर मगरमच्छ पहुंच जाते हैं। रैंजर ने ग्रामीणों से अपील की है कि ऐसे हालात में घबराएं नहीं। तुरंत सूचना दें ताकि समय पर मगरमच्छ को रेस्क्यू किया जा सके।

अवैध उत्खनन में संलिप्त रोड रोलर जब्त

■ एलएनटी मशीन और डंपर लेकर चालक व ठेकेदार फरार

■ वन विभाग की टीम ने की कार्रवाई

■ शिवपुरी

वन भूमि पर अवैध उत्खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत करैरा वन परिक्षेत्र की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है।

करैरा रेंजर लक्ष्मण सिंह मीणा के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में बीट अमोल के कक्ष क्रमांक पीएफ-1034 में एक रोड रोलर को जब्त किया गया। रेंजर मीणा ने बताया कि सड़क निर्माण से जुड़े एक ठेकेदार ने एक आदिवासी परिवार को गुमराह कर उसके वन अधिकार पट्टे का दुरुपयोग किया। खेत समतलीकरण के नाम पर एलएनटी मशीन से वन क्षेत्र की लघु पहाड़ी भूमि को खोद डाला गया, और निकाली गई मिट्टी को एनएच-27 पर मड़ीखेड़ा कैचमेंट क्षेत्र के पास रोड फिलिंग कार्य में उपयोग किया जा रहा था।

सूचना मिलते ही वन अमला रातों-रात मौके पर पहुंचा, लेकिन एलएनटी मशीन और डंपर चालक फरार हो गए, जबकि रोड रोलर स्थल पर ही मिला। जांच में पुष्टि हुई कि रोड रोलर का उपयोग उत्खनन स्थल पर मिट्टी समतल करने में किया गया था, जिससे यह भी अवैध उत्खनन के संगठित अपराध का हिस्सा पाया गया।

वन विभाग ने तत्काल रोड रोलर को जब्त किया। इस कार्रवाई में रेंजर लक्ष्मण सिंह मीणा, उड़नदस्ता प्रभारी तुलसीराम चोपड़ा, डिप्टी रेंजर बलिराम अहिरवार, वनपाल हेमराज शाक्य, तथा वनरक्षक रोहित, शैलेंद्र, विनय बाल्मीकि, संदीप, धीरज और नितेश सहित पूरा वन अमला मौजूद रहा। रेंजर मीणा ने स्पष्ट किया कि वन भूमि से छेड़छाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। विभाग की प्राथमिकता वन क्षेत्र की सुरक्षा एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण है।

मेडिकल कॉलेज में 7वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस का हुआ आगाज़

चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना सम्मेलन का उद्देश्य : डॉ. त्यागी

■ शिवपुरी

श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, शिवपुरी में अधिष्ठाता डॉ. डी. परमहंस के मार्गदर्शन तथा बायोकेमेस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. शशांक त्यागी के नेतृत्व में बायोकेमेस्ट्री विभाग द्वारा चार दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस-2025 का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन विभाग के द्वितीय प्रोफेसर डॉ. धर्मवीर शर्मा एवं आयोजन सचिव डॉ. ज्योति शुक्ला ने किया, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता में अहम भूमिका निभाई।

डॉ. शशांक त्यागी ने बताया कि राष्ट्रीय स्तरीय कॉन्फ्रेंस आयोजित करने वाला शिवपुरी मेडिकल कॉलेज प्रदेश का पहला संस्थान है। कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य मेडिकल साइंस के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर चर्चा, शोध को प्रोत्साहन एवं नवाचार को बढ़ावा देना है।

कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉक्टरों का आगमन हुआ, जिनमें एम्स भोपाल के डॉ. सुखेश मुखर्जी और पीपुल्स यूनिवर्सिटी के डॉ. बी.एस. डांगी प्रमुख रहे। इसके अलावा एम.डी. एवं पी.एच.डी. के छात्र-छात्राओं - डॉ. सुनील सिंह तोमर, डॉ. इशिता यासमिन, डॉ. सुनील कुमार यादव, डॉ. आकाश कुमार गोयल, डॉ. मुकेश गुर्जर, डॉ. शबाना साहिन, डॉ. अंजलि रानी, डॉ. आयुषी नेमा, डॉ. विभा शुक्ला, डॉ. अंकित, डॉ. आयुषी खरे सहित अन्य राज्यों से आए डॉक्टरों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान एम्स भोपाल के डॉ. मुखर्जी एवं पीपुल्स यूनिवर्सिटी के डॉ. डांगी ने विभिन्न जांचों और आधुनिक मशीनों पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं, पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अपराजिता तोमर और सह-प्राध्यापक डॉ. हेमलता बामोरिया ने जांच प्रक्रिया और उपकरणों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रभारी डीन डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. भरत सिंह बाथम, डॉ. शालिनी रत्नाकर, डॉ. नरेंद्र, रजनीगंधा प्रधान, सहायक पीआरओ राहुल अष्ठाना, शाबिर अली खान, अरविंद शाक्य, विजय प्रताप सिंह भदौरिया, हिमांशु सक्सेना, राजू परिहार सहित एमबीबीएस छात्र-छात्राएं, पैरामेडिकल स्टाफ एवं ब्लड बैंक का संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

मंत्र भारत

ग्वालियर-शनिवार,25 अक्टूबर 2025

सम्पादकीय

साहित्य: जीवन की आलोचना और परिष्कृत आचरण का मार्ग

साहित्य केवल शब्दों की रचना नहीं, बल्कि जीवन की आत्मा का स्पंदन है। यह वह चेतन ऊर्जा है जो समाज के भीतर से उठकर उसे परिष्कृत करती है। प्रेमचंद का यह कथन इसीलिए शाश्वत है क्योंकि साहित्य केवल जीवन का वर्णन नहीं करता, बल्कि उसकी आलोचना करता है कृ उसे दिशा देता है, और उसे मानवीय बनाता है। साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है। इसका सृजन करने वाला भी नहीं जानता कि उसकी रचना की अनुगूंज कब, कहाँ और कितनी दूर तक जाएगी। इस दृष्टि से साहित्य का सत्य केवल तथ्य नहीं, बल्कि समाज की नैतिक, संवेदनात्मक और दूरदर्शी चिंता है। वह समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला रक्षक भी है, और आत्मा को निर्मल करने वाला साधक है ।साहित्य सत्य की साधना है, शिवत्व की कामना है और सौंदर्य की अभिव्यक्ति भी। यह मनुष्य के भीतर छिपी मानवता का उत्खनन है। उत्कृष्ट साहित्य समाज की संवेदनाओं को, उसकी सहज वृत्तियों को युगों-युगों तक जीवंत बनाए रखता है। कालिदास की अभिज्ञानशाकुंतलम्, सूरदास की सूरसागर, कबीर की साखियाँ, प्रेमचंद की कहानियाँ और शेक्सपियर के नाटक कृ ये सभी इस सत्य के प्रमाण हैं कि साहित्य मनुष्य के अंतरजगत का आरसा है। रवींद्रनाथ ठाकुर ने कहा था साहित्य मानवता का आत्मवृत्तांत है ।राजनीतिक और भौगोलिक सीमाएँ चाहे जैसी हों, साहित्य का धरातल सार्वभौमिक है। किसी देश की भाषा और साहित्य उसके सभ्यतागत विकास की सहज झलक प्रस्तुत करते हैं। साहित्य में समाज के सुख-दुख, आशा-निराशा, उत्थान-पतन, संघर्ष और समर्पण का जीवंत चित्रण होता है कृ और यही उसकी कालजयीता का कारण है ।साहित्य और संस्कृति एक-दूसरे के पूरक हैं। जैसे जीवन में संघर्ष और निरंतरता है, वैसे ही साहित्य में समय और परिस्थिति की छाप परिलक्षित होती है। साहित्य वर्तमान को समझते हुए भविष्य की रूपरेखा तय करता है और समाज की सुषुप्त विवेक-शक्ति को जागृत करता है। जब समाज दिशाहीन होता है, तब साहित्य दीपक बनता हैय जब संवेदनाएँ क्षीण होती हैं, तब साहित्य उन्हें पुनः जीवित करता है। महात्मा गांधी ने कहा था सच्चा साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर की श्रेष्ठता को जागृत करे। कबीर, टैगोर, शरदचंद्र, जयशंकर प्रसाद, फणीश्वरनाथ रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, मिल्टन और होमर की रचनाएँ आज भी जनमानस में जीवंत हैं क्योंकि वे समाज, संस्कृति और मनुष्यता की धड़कन हैं। पंडित नेहरू ने भी कहा था संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है। जब यह आत्मा जीवंत रहती है, तब साहित्य उसका सबसे सशक्त माध्यम बन जाता है। साहित्य अपने समय की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों से प्रभावित होता है, परंतु साथ ही उन्हें प्रभावित भी करता है। इसीलिए साहित्य सदैव देशकालिक, सांस्कृतिक रूप से जीवंत, और सामाजिक चेतना का वाहक होता है। साहित्य का मूल्य इस बात में है कि वह यथार्थ को समझकर आदर्श का निर्माण करे ।जयशंकर प्रसाद ने कहा था जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवादय साहित्य की पूर्णता दोनों के समन्वय में निहित है ।साहित्य वह प्रक्रिया है जिसमें जीवन अपने प्रतिबिंब को देखता है और स्वयं को सुधारता है। वह न केवल समाज के दुखों का दर्पण है, बल्कि उनके समाधान का साधन भी है। अज्ञेय ने कहा था द साहित्य मनुष्य को उसकी अस्मिता का बोध कराता है। यही कारण है कि साहित्य जीवन की आलोचना होते हुए भी उसके परिष्कार का साधन बनता है। आज जब भौतिकता, उपभोक्तावाद और आत्मकेंद्रित दृष्टिकोण ने मानवीय मूल्यों को कमजोर किया है, तब साहित्य वही आलोक स्तंभ है जो हमें पुनः मनुष्यता की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है। साहित्य केवल विचार नहीं, वह संस्कृति की स्मृति और भविष्य का सृजन है। वह व्यक्ति को समाज से, और समाज को उसकी आत्मा से जोड़ता है। श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर दोनों को परिष्कृत करे। वह हमें सोचने, बदलने और जीने की नई दृष्टि देता है। क्योंकि साहित्य केवल अध्ययन नहीं, जीवन का आचरण है कृ मानवता के नवीनीकरण का साधन है।

बिहार चुनाव: मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं? बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं। ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आजाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में बिहार के विकास की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता। राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है।

हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं। ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आजाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में बिहार के विकास की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

तेजस्वी के नाम पर मुहर, देर आए, दुरुस्त आए

बिहार की सियासत में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण पड़ाव आया है। तेजस्वी यादव अब बाकायदा महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर दिए गए हैं। बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लवरू की तेजस्वी यादव से खास मुलाकात हुई, इसमें लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी भी मौजूद थे, तभी तय हो गया था कि अब महागठबंधन में मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया जाएगा। इस मुलाकात के बाद यह भी साफ हो गया कि महागठबंधन बिखर गया है। बीते कई दिनों से एनडीए के नेता लगातार ये बयान दिए जा रहे हैं कि जो लोग अपने गठबंधन को नहीं संभाल पाए, वो राज्य क्या संभालेंगे। दरअसल कांग्रेस, आरजेडी समेत महागठबंधन के ही तमाम लोगों ने यह मौका एनडीए को दिया कि वह उनके मामूली मतभेदों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करे। महागठबंधन ने सीट बंटवारे का कोई ऐलान नहीं किया, कुछ सीटों पर राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी दोनों ही उतार दिए गए तो कुछ पर वामदलों के साथ कांग्रेस के मुकाबले की संभावनाएं बनीं। जनअधिकार पार्टी के नेता और सांसद पप्पू यादव खुलेआम कांग्रेस का साथ देते हैं और उनका दावा है कि बिहार में राहुल गांधी बनाम नरेन्द्र मोदी का चुनाव है। पप्पू यादव ने लालू प्रसाद को अभिभावक बताते हुए यह अपील भी कर दी कि जो कांग्रेस की सीटें हैं, वहां राजद के प्रत्याशी न उतारे जाएं। बेशक ऐसा ही होना चाहिए लेकिन पप्पू यादव के इस तरह सार्वजनिक तौर पर बयान देने से बनी हुई बात भी बिगड़ सकती है। कांग्रेस और राजद दोनों ही दलों को अपने कार्यकताओं और नेताओं को सख्त हिदायत देनी चाहिए कि पार्टी लाइन से हटकर कुछ न कहें और खासकर गठबंधन के लोगों के बारे में बिना अधिकृत हुए बयान न दें। महागठबंधन को यह समझना चाहिए कि उसका मुकाबला केवल दूसरे गठबंधन से नहीं है। बल्कि उस एनडीए से है, जिसका नेतृत्व भाजपा कर रही है। केंद्र से लेकर राज्य की सत्ता उसके

हाथ में है। संसाधनों के मामले में वह महागठबंधन से काफी ज्यादा मजबूत है। सारी केन्द्रीय एजेंसियां उसके अधीन हैं और जनसुराज पार्टी, बसपा, एआईएमआईएम जैसे दल भी किसी न किसी तरह भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए ही मैदान में उतरते हैं। ऐसे में महागठबंधन के पास अपनी भावी रुपरेखा दिखाने के अलावा और कुछ खास नहीं बचता है, जिसके आधार पर वह जनता को अपने साथ करे। जनता भी बदलाव चाहती है, लेकिन उसके लिए सामने बेहतर विकल्प होना चाहिए। अगर आपस में ही सारे दल लड़ेंगे तो फिर नुकसान ही होगा। 2019 के चुनाव इसका उदाहरण हैं, जिसमें विपक्ष की एकता कायम नहीं हो पाई। लेकिन 2024 के चुनाव में सब एक साथ टिके रहे तो हालात बेहतर हुए। झारखंड चुनाव में भी कांग्रेस और जेएमएम के साथ लड़ने का फायदा मिला, हालांकि अंदरूनी टकराव वहां भी रहा, फिर भी भाजपा हार गई। अब जेएमएम के लिए एक भी सीट न छोड़कर इंडिया गठबंधन ने उसे नाराज कर दिया है। अगर किसी घटक दल को सीट बंटवारे से बाहर रखना है, तो उसकी भरपाई कैसे हो, इसका इंतजाम इंडिया को करना चाहिए था। लेकिन यहां फिर चूक हुई। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने जब वोटर अधिकार यात्रा निकाली थी, तब लोगों ने जितने उत्साह से इसमें हिस्सा लिया, उससे जाहिर है कि लोगों ने इस साथ को पसंद किया। लेकिन उसके बाद राहुल गांधी बिहार के चुनावी परिदृश्य से लगभग गायब हैं। हो सकता है रणनीतिक तौर पर राहुल बिहार नहीं आ रहे, ताकि तेजस्वी यादव पर पूरा फोकस हो सके। तब भी यात्रा के दौरान जब तेजस्वी यादव ने राहुल के लिए भावी पीएम की बात कही और राहुल से तब सीएम फेस को लेकर सवाल हुआ तो वे उसे टाल गए, जबकि अगर वे कूटनीतिक तरीके से उसका जवाब दे देते, तो भाजपा के हाथों से एक बड़ा मौका निकल जाता। इस प्रसंग के बाद कई बार कांग्रेस से सवाल किए गए कि क्या तेजस्वी मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे और कांग्रेस नेता इसे टालते ही रहे। केवल अखिलेश प्रसाद या कन्हैया कुमार जैसे एक-दो नेताओं ने सीधे सवाल का सीधा जवाब दिया। कांग्रेस को इस टालमटोल का नुकसान भी हुआ, क्योंकि कहीं न कहीं बात आपसी भरोसे और सम्मान पर आ गई। जब लालू प्रसाद यादव ने अबकी बार तेजस्वी सरकार का नारा दे दिया तो महागठबंधन को इसी पर आगे बढ़ जाना चाहिए था।

भारतीयों को क्यों केरल मॉडल पर गर्व होना चाहिए

सिद्धार्थ रामू

योजना आयोग को खत्म कर नरेंद्र मोदी सरकार ने नीति आयोग गठित किया। इसी नीति आयोग की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार केरल में सिर्फ 0.7 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा (इसे अत्यधिक गरीबी भी कहा जाता है।) के नीचे हैं। केरल की सरकार ने इन 0.7 प्रतिशत परिवारों को चिन्हित किया और इनकी गरीबी को खत्म करने के लिए विशेष कदम उठाए। इसके नतीजे के तौर अब यह स्थिति है कि केरल में कोई परिवार या व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे नहीं है। इसकी औपचारिक घोषणा केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने की। केरल की इस उपलब्धि को सेलीब्रेट करने के लिए 1 नवंबर को केरल की राजधानी तिरुवनन्तपुरम में आयोजन होगा। यदि नीति आयोग के आंकड़ों (2021) आधार पर देखें तो पूरे भारत में गरीबी रेखा के नीचे 14.96 प्रतिशत लोग हैं। गुजरात में 11.66 प्रतिशत, बिहार में 33.76 प्रतिशत और यूपी में 22.93 प्रतिशत लोग हैं। गरीबी रेखा के इस पैमाने को बहुआयामी गरीबी (डनसजपकपउमदेपवदंस च्वअमतजल प्दकमअॅ (डच) के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें आर्थिक आय-व्यय नहीं, बल्कि जीवन-स्तर, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी चीजें शामिल होती हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2021 में केरल में जो 0.7 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी, उन्हें गरीबी रेखा के से ऊपर लाने के लिए केरल ने कई सारे उपाय किए। सबसे पहले केरल की सरकार ने ऐसे गरीब परिवारों के चिन्हित किया। इनकी संख्या केरल में 64,006 थी। इसे चिन्हित करने का आधार इन परिवारों के पास उपलब्ध खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, जीविकोपार्जन के साथ और आवास को बनाया गया। इसमें ऐसे परिवार भी थे, जिनके नाम वोटर लिस्ट में नहीं थे, जिनके पास आधार कॉर्ड नहीं था और जिन्हें राशन कार्ड भी नहीं मिला था। ऐसे व्यक्तियों की संख्या 21,263 थी। उसके बाद केरल सरकार ने इन 64,006 परिवारों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए हर परिवार के लिए ठोस उपाय अख्तियार किया। 3,913 परिवारों को घर उपलब्ध कराया गया। 1, 338 परिवारों को जमीन उपलब्ध कराई गई। 5,651 परिवारों को टूटे-फूटे घर की मरम्मत के लिए प्रति परिवार 2 लाख रूपए उपलब्ध कराए गए। इस तरह एक परिवार और व्यक्ति को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए अलग-अलग ठोस कदम उठाए गए। इस काम में राज्य सरकार और अन्य सभी स्थानीय निकायों- संस्थाओं पंचायत, जिला परिषद, महापालिका, नगर पालिका आदि ने अपनी-अपनी भूमिका निभाई। इसमें कई स्थानीय निकायों में विपक्षी पार्टियां बहुमत में थीं। उनका उन संस्थाओं पर नियंत्रण था,लेकिन सभी ने मिलकर केरल के हर परिवार और व्यक्ति को गरीबी रेखा से निकाले के पूरी तरह एकजुट होकर काम किया। केरल इंसानी उन्नति, प्रगति और समृद्धि में सबकी साझेदारी के मामले में भारत का सबसे उन्नत प्रदेश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे उन्नत विकसित देशों की बराबरी करता है, कुछ से आगे भी है। इन देशों में अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, चीन और क्यूबा जैसे देश भी शामिल हैं। इस बात की पुष्टि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा योजना आयोग की जगह बनाए गये नीति आयोग की 2023-24 की रिपोर्ट भी करती है। नीति आयोग की रिपोर्ट (ैकळ प्दकपं पदकमअॅ 2023-24) कहती है कि केरल मानव विकास सूचकांक में भारत का शीर्ष प्रदेश है। नीति आयोग ने केरल को 79 मार्क दिया है, उसके 78 मार्क के साथ तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है। बिहार को 57 मार्क दिया गया है। बिहार और केरल के बीच 22 मार्क का अंतर है। इस मार्क में मानव विकास से जुड़े 16 बड़े लक्ष्य शामिल थे। इन 16 बड़े लक्ष्यों में आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण संबंधी लक्ष्य शामिल हैं। सहज-स्वाभाविक सी बात है कि इसमें पोषण का स्तर, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं पहले स्थान पर हैं। केरल इंसानी उन्नति के पैमाने पर दुनिया के सबसे उन्नत देशों के बराबर है या उनसे आगे है। इसके कुछ सीमित ठोस आंकड़े देखते हैं, जिससे नीति आयोग द्वारा केरल को दिए शीर्ष स्थान की पुष्टि होती है। साक्षरता किसी देश या प्रदेश की उन्नति के बुनियादी मानकों में से एक है। नेशनल सर्वे की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार केरल की साक्षरता दर 96.2 प्रतिशत है। भारत की कुल औसत साक्षरता दर इस सर्वे के अनुसार 77.7 प्रतिशत है। यूनेस्कों के आंकड़ों के अनुसार विश्व की साक्षरता दर 86.5 प्रतिशत है। आंकडों से साफ है कि केरल की साक्षरता दर भारत की औसत साक्षरता दर से करीब 18 प्रतिशत और विश्व की साक्षरता की औसत साक्षरता दर से करीब 10 प्रतिशत अधिक है। ये आंकडे कुछ बातें साफ कर देते हैं। पहली तो यह कि जिस प्रदेश में आधी आबादी हिंदू, एक चौथाई मुस्लिम और 20 प्रतिशत ईसाई है, यदि उसमें सबके बीच साक्षरता की दर कमोबेश समान न हो तो 96.2 प्रतिशत साक्षरता की दर हासिल ही नहीं की जा सकती है। केरल उन राज्यों में से है जो उच्च शिक्षा पर सबसे अधिक धन खर्च करते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया गया है। केरल राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.46 प्रतिशत शिक्षा के लिए आबंटित करता है। भारत सरकार ने 2025-26 के बजट में 2.5 प्रतिशत खर्च करने का प्रावधान किया है, लेकिन अब तक कभी 1.9 प्रतिशत से अधिक खर्च नहीं किया गया।

जीवन रक्षक ओआरएस

सेहतवर्धक बताकर विभिन्न खाद्य-पेय उत्पाद बेचना आज के बाजार की मुनाफा रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भले ही वह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करता हो। ऐसे में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक फॉर्मूलेशन के अनुरूप न होने वाले किसी भी पेय पदार्थ के लेबल पर ओआरएस यानी ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। निस्संदेह, यह एक जन-स्वास्थ्य की दिशा में हासिल एक बड़ी सफलता है, जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दरअसल, यह आदेश हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद सामने आया है। वास्तव में उन्होंने यह उजागर करने के लिये लंबा संघर्ष किया था कि कैसे कई चीनी युक्त कथित ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों को चिकित्सकीय समाधान के रूप में बेचने के लिये भ्रामक रूप से ओआरएस शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सालों से अभिभावक इस पेय पदार्थ की पैकेजिंग पर कारोबारियों द्वारा लिखे ओआरएस शब्द पर भरोसा करते हुए बीमार बच्चों को पिलाते रहे हैं। वे इस बात से बेखबर थे कि पेय पदार्थ में चीनी की उच्च सांद्रता निर्जलीकरण की स्थिति को बढ़ावा दे सकती है। विशेष रूप से बच्चों को देने पर दस्त की स्थिति में यह घातक हो सकती थी। यहां उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित ओआरएस घोल में सावधानीपूर्वक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट्स का एक संतुलित मिश्रण निर्धारित होता है। जिसे बीमार बच्चों या व्यक्ति को शरीर में तरल पदार्थों व लवणों की कमी की पूर्ति के लिये तैयार किया जाता है। जबकि हकीकत यह है व्यावसायिक दृष्टि से बेचे जा रहे पेय पदार्थों

का भले ही चिकित्सा वैधता का दावा किया जाए, लेकिन वे मीठे घोल के अलावा कुछ नहीं होते। जबकि हकीकत यह है कि इन बाजारू पेय पदार्थों की बिक्री से मोटा मुनाफा ही कमाया जा रहा था। यह तथ्य भी चौंकाने वाला ही है कि भारत में इस तथाकथित मीठे ओआरएस पेय का सारा कारोबार लगभग एक हजार करोड़ रुपये के लगभग है। यहां तक कि कुछ पेय पदार्थों के ब्रांड मालिकों ने केवल तीन वर्षों में पांच गुना बिक्री का दावा किया है। उन्होंने ओआरएस बिक्री के चौदह फीसदी से अधिक हिस्से पर अधिकार करने का उल्लेख किया है। दरअसल, विभिन्न स्वाद वाले पेय पदार्थ को स्वास्थ्यवर्धक के रूप में पेश करके कंपनियों को अपने कारोबार में तेजी लाने का आसान मौका मिल जाता है। हकीकत में इसका लाभ कंपनियां अपने ब्रांड का भरोसा बढ़ाने और फार्मेसियों और किराने की दुकानों में समान रूप से उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में कामयाब होने में उठाती हैं। यह विडंबना है कि देश में कमजोर नियामक निगरानी के चलते ही इस मुनाफे के घातक कारोबार के विस्तार के लिये अनुकूल वातावरण बन पाया है। अब विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की सख्ती से इस मुनाफाखोरी के घातक कारोबार पर अंकुश लगाने में कामयाब मिल सकेगी। इस सारे प्रकरण का एक सबक यह भी है कि कैसे सतर्क नागरिक और नैतिक रूप से सजग चिकित्सक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम हो सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां अकसर प्रवर्तन कार्रवाई की कमी नजर आती है। निश्चित रूप से यह प्रकरण खाद्य विपणन और वैज्ञानिक प्रमाणों के बीच की खाई को भी उजागर करता है। दरअसल, यह जन स्वास्थ्य से जुड़ी एक ऐसी खाई है जिसे हमारी नियामक एजेंसियों को पाटने के लिये निरंतर सजग रहने की सख्त आवश्यकता है। ओआरएस जैसी साधारण, लेकिन जीवन रक्षक पेय की शुद्धता की रक्षा करते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने एक बार फिर से पुष्टि की है कि स्वास्थ्य की रक्षा कोई मार्केटिंग का नारा नहीं हो सकता। निश्चित रूप से विश्वास किया जाना चाहिए कि इस हालिया प्रतिबंध से आने वाले समय में मीठे-मीठे झूठों का अंत हो सकेगा।

मनोरंजन

डॉलर इंडेक्स में बढ़त का असर, रिकॉर्ड हाई के बाद सोना-चांदी में तेज बिकवाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। मजबूत डॉलर और अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति को लेकर आशावाद के बीच कारोबारियों ने मुनाफावसूली की। इससे हालिया तेजी के बाद वायदा कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। एमसीएक्स पर सोने की कीमत में 0.89 प्रतिशत की गिरावट मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर डिलीवरी के लिए पीली धातु वायदा की कीमत 1,109 रुपये या 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,22,995 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई जिसमें 12,958 लॉट के लिए कारोबार हुआ। सोना वायदा का फरवरी 2026 अनुबंध भी 1,075 रुपये या 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,239 लॉट के लिए 1,24,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एमसीएक्स पर चांदी के भाव में हुई 1.81 प्रतिशत की गिरावट इसी तरह, चांदी वायदा कीमतों में भी भारी गिरावट देखी गई।

कहो ना कहो से लेकर भीगे होंठ तेरे तक, इन गानों से मल्लिका शेरावत ने बॉलीवुड पर किया राज

शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत का 49वां जन्मदिन है। इस खास अवसर पर हम बात करेंगे उनके प्रसिद्ध गानें, जिन्होंने दर्शकों को किया दिवाना। अपनी खूबसूरती, अभिनय और बोल्डनेस से सिनेमाई दुनिया में छाप छोड़ने वाली अभिनेत्री मल्लिका शेरावत का आज शुक्रवार को जन्मदिन है। एक्ट्रेस ने कई गानों को अपने ठुमकों से मशहूर कर दिया। अभिनेत्री के इस खास दिन पर हम आपको बताएंगे उनके कुछ प्रसिद्ध गानें, जिनके जरिए उन्होंने बॉलीवुड पर राज किया। भीगे होंठ तेरे अनुराग बसु के निर्देशन में साल 2004 में मर्डर फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म का गाना भीगे होंठ तेरे काफी पसंद किया गया था। इसमें मल्लिका शेरावत इमरान और हाशमी इमरान के ऑन-स्क्रीन पर बोल्ड अंदाज में नजर आए थे। अभिनेत्री ने इस गाने में हलचल मचा दी थी। जलेबी बाई बॉलीवुड में आइटम सॉन्ग की बात की जाए तो, जलेबी बाई का नाम उस लिस्ट में जरूर होता है। मल्लिका शेरावत ने इस गाने में अपनी अदाओं से दर्शकों को आकर्षित कर लिया था। यह गाना डबल धमाल फिल्म का है, जो 2011 में रिलीज हुई थी। इस सॉन्ग को आनंद राज आनंद और रितु पाठक ने गाया था। कहो ना कहो आमिर जमाल द्वारा गाया गया गाना कहो ना कहो दर्शकों को खूब रास आया था। ये भी मर्डर फिल्म का सॉन्ग है। इसमें मल्लिका शेरावत ने दर्शकों को दीवाना बना लिया था। अभिनेता इमरान हाशमी के साथ अभिनेत्री की कमेस्ट्री काफी पसंद की गई थी। आपको बताते चलें कि ये उस दौर में हर किसी के जुबां पर होता था। इस गाने को अनु मलिक ने कंपोज किया था। मय्या मय्या मणिरत्नम के निर्देशन में साल 2007 में गुरु फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म गुरु में एश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन जैसे दिग्गज कलाकार मौजूद थे। फिल्म का गाना मय्या मय्या काफी देखा और सुना गया था। इस गाने में मल्लिका शेरावत के हॉट लुक्स और डांस मूव्स ने फैंस का ध्यान खींचने का काम किया था। इस सॉन्ग में को ए. आर. रजिया गुंडो फंस गई अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म थैंक यू का गाना रजिया गुंडों में फंस गई काफी प्रसिद्ध हुआ था। इस फिल्म में मल्लिका शेरावत के अंदाज ने दर्शकों का खूब मनोरोंजन किया था। इस गाने को मास्टर सलीम और रितु पाठक ने गाया था। इसे आशीष पंडित ने लिखा था। यह गाना बॉलीवुड के उन दौरों में से है जब आइटम सॉन्ग फिल्मों की पहचान बन गए थे, और मल्लिका उनमें सबसे आगे थीं। यह डांसिंग सॉन्ग था। दिल तोड़ के ना जा राहुल बोस और मल्लिका शेरावत अभिनीत फिल्म प्यार के साइड इफेक्ट्स को दर्शकों ने सराहा था। इस फिल्म के गाने दिल तोड़ के ना जा में मल्लिका शेरावत ने शानदार अदाकारी दिखाई थी। आपको बताते चलें कि यह गाना अभिनेत्री के करियर का वह हिस्सा है जहां उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी परिपक्वता दिखाई।

अपना बना ले सॉन्ग फेम सिंगर सचिन सांघवी गिरफ्तार, 20 साल की लड़की को शादी का झांसा देकर किया यौन शोषण

अपना बना ले और तुम से जैसे हिट गानों के लिए फेमस गायक और संगीतकार सचिन सांघवी को लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। सचिन पर एक बेहद ही गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने उन्हें महिला को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। तो आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला एक पुलिस अधिकारी ने बताया सचिन सांघवी को

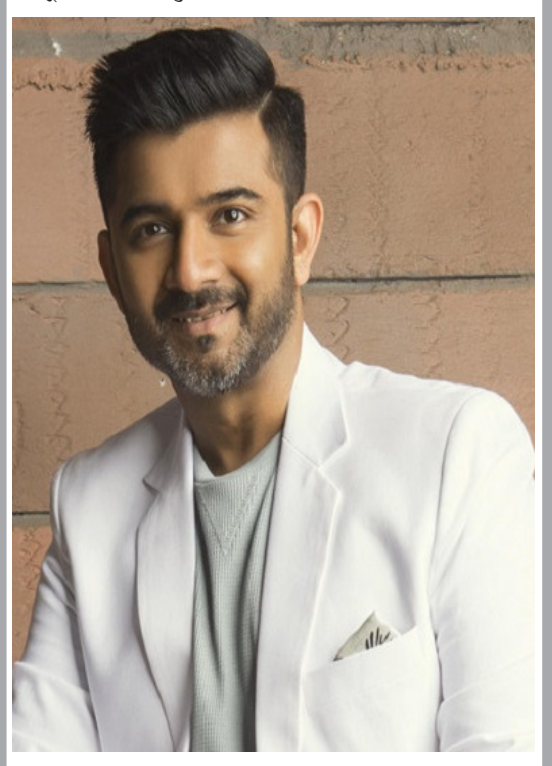

गुरुवार को भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि 20 साल की उम्र की शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि वह फरवरी 2024 में सांघवी के संपर्क में आई थी और उन्होंने उसे इंस्टाग्राम पर एक संदेश भेजा था। सांघवी ने कथित तौर पर उसे अपने संगीत एल्बम में मौका देने का वादा किया था, जिसके बाद दोनों एक-दूसरे से बात करते थे। महिला ने आरोप लगाया है कि सचिन सांघवी ने उसे अपने स्टूडियो में बुलाया, जहां उसने शादी का प्रस्ताव रखा और कई मौकों पर उसका यौन उत्पीड़न किया। वहीं, अब जांच के आधार पर पुलिस ने सिंगर को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें सचिन सांघवी कई हिट फिल्मों में संगीत दे चुके हैं। उन्होंने जिगर के साथ जोड़ी बनाकर स्त्री से लेकर स्त्री 2 और भेड़िया जैसी कई हिट फिल्मों का संगीत दिया है।

मैथिली ठाकुर ने पाग में रखकर खाया मखाना, वीडियो देख भड़के लोगों ने मिथिला की संस्कृति के अपमान का लगाया आरोप

बिहार विधानसभा चुनाव का माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है। सभी राजनीतिक दलों के उम्मीदवार जोर-शोर से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इसी बीच बीजेपी की नई उम्मीदवार और प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर

एक विवाद में फंस गई हैं। दरअसल, मिथिला क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान पाग को लेकर उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके कारण उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है। दरभंगा की अलीनगर विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार मैथिली ठाकुर 22 अक्टूबर को एनडीए की ओर से आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुई थीं। कार्यक्रम के अंत में वहां मौजूद समर्थकों ने उन्हें मखाना भेंट किया- जो मिथिला की समृद्ध संस्कृति और पहचान का प्रतीक माना जाता है। खबरों के मुताबिक, जब मैथिली ठाकुर अपनी गाड़ी में बैठीं, तो वह मखाना उन्होंने पाग (मिथिला की पारंपरिक टोपी) में रख लिया और वहीं तेजी से खाने लगीं। इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो गया। वीडियो के सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग दो हिस्सों में बंट गए हैं। कुछ लोग मैथिली ठाकुर की इस हरकत को अनजाने में हुई गलती मान रहे हैं, जबकि कई लोगों का कहना है कि एक लोक गायिका और सार्वजनिक शख्सियत होने के नाते उन्हें अपनी संस्कृति के प्रतीकों का ध्यान रखना चाहिए था।

दो पहलू, एक लड़ाई, हक से यामी और इमरान के शानदार कैरेक्टर पोस्टर आए सामने

टीजर को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद, अब हक का ट्रेलर भी जल्द ही आने वाला है। राजी, क्या एक राष्ट्र, एक कानून होना चाहिए? हमें व्यक्तिगत विश्वास और धर्मनिरपेक्ष कानून के बीच कहां लकीर खींचनी चाहिए? इंतजार को और बढ़ाते हुए, यामी गौतम धर और इमरान हाशमी के नए जारी किए गए कैरेक्टर पोस्टर श्हकश की दुनिया की एक दमदार पहली झलक देते हैं। यामी का पोस्टर अपनी गरिमा और अधिकारों के लिए लड़ रही एक महिला के लचीलेपन को दिखाता है, जबकि इमरान का पोस्टर कानून, विश्वास और जमीर के बीच फँसे एक आदमी की तीव्रता को दशार्ता है। दोनों पोस्टर मिलकर एक ऐसी दुनिया को दिखाते हैं जो विश्वास से बंटी हुई है फिर भी न्याय की तलाश से जुड़ी हुई है, जो आगे आने वाली कहानी के लिए माहौल एकदम सही सेट करता है। यामी गौतम धर और इमरान हाशमी अभिनीत, श्हकश एक प्रेरणादायक महिला की कहानी को जीवंत करती है जो चुप रहने से इनकार करती है। इमरान हाशमी एक तेज-तर्रार वकील का किरदार निभा रहे हैं जो इस जबरदस्त इन्टेन्स ड्रामा में उसका साथ देते हैं, जो समाज को एक हक दमदार, सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिनेमा की जंगली पिक्चर्स की विरासत को जारी रखती है। ट्रेलर 27 अक्टूबर को रिलीज होने वाला है, और इस फिल्म के लिए उत्सुकता लगातार बढ़ रही है, जिसे कई लोग 2025 का डार्क हॉर्स कह रहे हैं। श्हकश 7 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आ रही है, और एक ऐसी बहस को फिर से शुरू कर रही है जो कभी खत्म नहीं हुई।

कांतारा: चौप्टर 1 में ऋषभ शेट्टी के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन का वीडियो आया सामने, मेकर्स ने किया शेयर

भारत की ग्रामीण कहानियों से लेकर पूरे देश में हिट होने तक, कांतारा चौप्टर 1 अपनी मेहनत और सोच का नतीजा साबित हुई है। ऋषभ शेट्टी ने बर्मे के किरदार में शानदार परफॉर्मेंस दी है, और फिल्म में पुरानी कहानियों, शानदार विजुअल्स और साहसी कहानी कहने के अंदाज को खूबसूरती से दिखाया है। फिल्म के हर पल में पुराने रिवाज और जनजातीय संस्कृति की झलक है, और यह फिल्म सिर्फ

एंटरटेन नहीं करती बल्कि एक शानदार अनुभव देती है। दर्शक और समीक्षक दोनों ही इसे खूब पसंद कर रहे हैं, और सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा इसे और खास बना रही है। बॉक्स ऑफिस पर धमाका मचाते हुए, फिल्म ने नया मुकाम हासिल किया है और देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। कांतारा चौप्टर 1 ने दुनिया भर में 765 करोड़ से अधिक की कमाई की है। इस जबरदस्त सफलता के साथ, फिल्म आगे और भी बड़े मुकाम हासिल करने की दिशा में बढ़ रही है। कांताराः चौप्टर 1 चौथी शताब्दी ईस्वी में सेट कहानी है और कांतारा की रहस्यमयी धरती की पवित्र शुरूआत को पेश करती है। इस चौप्टर में इसकी समृद्ध पौराणिक कथाओं, पुराने संघर्षों और दिव्य हस्तक्षेपों की गहराई में उतरते हुए लोककथा, आस्था और जुनून की एक कहानी बुनी गई है, जो जमीन की मिट्टी से ही जन्मी है।फिल्म में ऋषभ शेट्टी, सप्तमी गौड़ा, गुलशन देवैया, रुक्मिणी वसंत, जयराम, पीडी सतीश चंद्र, प्रकाश थुमिनाड और कई प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं, जो इस महाकाव्य कहानी को खूबसूरती से सामने लाते हैं। ऋषभ शेट्टी स्टारर कांतारारू चौप्टर 1 को उन्होंने ही लिखा और डायरेक्ट किया है। इसे विजय किरगंदूर ने होंबाले फिल्म्स के बैनर तले बनाया है। फिल्म की शूटिंग अरविंद एस. कश्यप ने की और संगीत बी. अजयनीश लोकनाथ ने दिया है, जिन्होंने ओरिजिनल फिल्म की जादुई दुनिया को बनाने में मदद की है। कांताराः चौप्टर 1, 2 अक्टूबर 2025 को पूरी दुनिया में रिलीज हो चुकी है।

जयपुर पिंक पैंथर्स के सहायक प्रबंधक वेदांत देवाडिगा के निधन पर अमिताभ बच्चन ने जताया शोक, शेयर किया पोस्ट

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपनी प्रो कबड्डी टीम जयपुर पिंक पैंथर्स के सहायक प्रबंधक वेदांत देवाडिगा के अचानक निधन पर गहरा दुख जताया है। बिग बी ने शोक जताते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। बिग बी ने अपने एक्स हैंडल पर प्रो कबड्डी टीम जयपुर पिंक पैंथर्स के सहायक प्रबंधक वेदांत देवाडिगा के निधन पर शोक जताते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। 22 साल के वेदांत को खोना बहुत दुखद है। वे टीम के सभी सदस्यों के लिए बहुत प्रिय थे। अमिताभ बच्चन का पोस्ट अमिताभ ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'इस दुखद घटना के बावजूद, टीम ने वेदांत की याद में अगला मैच खेलने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने वेदांत को सम्मान देने के लिए खेला और एक युवा खिलाड़ी ने अपने हेड बैंड पर वेदांत का नाम लिखकर उनकी स्मृति को सम्मान दिया। अमिताभ ने टीम के इस जज्बे की सराहना की और उनके लिए शुभकामनाएं दीं।' जयपुर पिंक पैंथर्स ने भी एक पोस्ट में वेदांत के निधन पर दुख जताया और कहा कि उनके जुनून और समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा। उनकी प्रार्थनाएं वेदांत के परिवार के साथ हैं। अमिताभ बच्चन का वर्कफ्रंट अमिताभ बच्चन फिल्म '120 बहादुर' में अपनी आवाज देंगे, जो 1962 के भारत-चीन युद्ध की सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह खुलासा 'कौन बनेगा करोड़पति' के एक एपिसोड में हुआ, जिसमें फरहान अख्तर और जावेद अख्तर भी नजर आए। फरहान ने कहा कि अमिताभ की आवाज से फिल्म की शुरूआत करना उनके लिए सम्मान की बात होगी। बहरहाल, अमिताभ लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (डइउ) के होस्ट हैं। फिल्मों में, वह नितेश तिवारी की 'रामायण' में जटायु को अपनी आवाज देंगे, जो 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा बिग बी 'कल्कि 2898 एडी 2' में भी नजर आएंगे।

'करदाताओं के साथ अच्छे से पेश आएं जीएसटी अफसर', वित्त मंत्री सीतारमण ने दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री ने GST अधिकारियों से कहा कि ईमानदार करदाताओं के साथ व्यवहार में विनम्रता और सहानुभूति बरती जाए, ताकि कर प्रणाली के प्रति उनका भरोसा मजबूत हो। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नरमी किसी भी तरह कानून-प्रवर्तन में समझौता नहीं होनी चाहिए। वित्त मंत्री निमार्ला सीतारमण ने जीएसटी अधिकारियों को करदाताओं से साथ विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करने के लिए कहा। सीतारमण ने कहा कि शिकायतों के त्वरित समाधान और रजिस्ट्रेशन मंजूरी की प्रक्रिया तेज करने के लिए तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल किया जाए। व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने पर जोर उन्होंने क्षेत्रीय इकाइयों से व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठाने को कहा। सीतारमण ने अधिकारियों को व्यापारियों के साथ संवाद सुधारने की सलाह देते हुए कहा कि आपके और व्यापारी के बीच कोई लोहे की दीवार नहीं है, सिर्फ हवा की पतली परत है। आप समझ सकते हैं कि दिक्कत कहां है, बजाय इसके कि उसे और उलझाया जाए।

'ट्रंप के कहने पर रूस से तेल खरीदना कम कर रहा भारत'

व्हाइट हाउस का दावा; चीन का भी किया जिक्र

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका का आरोप है कि भारत मॉस्को से कच्चे तेल की खरीद कर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित कर रहा है। इसे लेकर अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया है। व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर रूस से तेल खरीदना कम करना शुरू कर दिया है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने यह दावा किया। उन्होंने कहा, 'अगर आप रूस पर लगे प्रतिबंधों को देखें और पढ़ें, तो वे काफी सख्त हैं।'

अमेरिका ने बुधवार को रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंधों का एलान किया। इन कंपनियों पर प्रतिबंध रूस के राजस्व के स्त्रोत पर बड़ी चोट मानी जा रही है। यूरोपीय सहयोगियों पर भी दबाव बना रहा अमेरिका गुरुवार को जब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने दावा किया कि 'मैंने कुछ अंतरराष्ट्रीय खबरें देखीं है, जिनमें कहा गया है कि चीन रूस से तेल खरीदना कम कर रहा है। हम जानते हैं कि भारत ने भी राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर ऐसा ही किया है।' कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात में कटौती करने की अपील की है। ट्रंप और उनका प्रशासन कई बार कर चुका है दावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहा है कि भारत ने आश्वासन दिया है कि वह रूस से अपने तेल आयात में कमी करेगा। हालांकि, भारत की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है। भारत का कहना है कि उनकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों से तय होती है और सरकार का उद्देश्य अपने उपभोक्ताओं के लिए किफायती और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना है। अमेरिका का आरोप है कि भारत मॉस्को से कच्चे तेल की खरीद कर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित कर रहा है। इसे लेकर अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया है। जिसके बाद भारत पर अमेरिकी टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। हालांकि भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को गलत और बेतुका बताया है। ट्रंप और पुतिन के बीच हंगरी में होने वाली बैठक भी टली लेविट ने कहा कि ट्रंप ने बहुत पहले ही रूस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए थे। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन पर शांति समझौते की दिशा में आगे बढ़ने में पर्याप्त रुचि न दिखाने का आरोप लगाया। हाल ही में ट्रंप ने हंगरी में पुतिन के साथ होने वाली बैठक भी रद्द करने का एलान किया। हालांकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत की उम्मीद पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है और भविष्य में दोनों के बीच मुलाकात हो सकती है।

अलबामा में एक और कैदी को नाइट्रोजन गैस से दी गई मौत की सजा, एक व्यक्ति को जिंदा जलाने का था दोषी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने का विरोध भी हो रहा है और कई लोग इसे मौत की सजा देने का अंसवैधानिक और निर्मम तरीका मानते हैं। अमेरिकी राज्य अलबामा में एक और व्यक्ति को नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा दी गई। जिस व्यक्ति को मौत की सजा दी गई, उसे साल 1993 में एक व्यक्ति को जिंदा जलाने का दोषी पाया गया था। जिस व्यक्ति को मौत की सजा दी गई, उसकी पहचान एंथनी बॉयड (54 वर्षीय) के रूप में हुई है। एंथनी बॉयड को गुरुवार को शाम करीब साढ़े छह बजे विलियम सी होलमन केंद्र में मौत की सजा दी गई। अलबामा में बीते साल नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने की शुरूआत हुई थी। कुछ ही मिनटों में हो गई मौत बॉयड को ग्रेगरी हुगुले की हत्या के मामले में मौत की सजा हुई। अभियोजन पक्ष ने बताया कि ड्रग्स के 200 डॉलर न देने के लिए चलते हुगुले की हत्या की गई। हालांकि बॉयड ने अपने अंतिम शब्दों में भी कहा कि वह निर्दोष है। गुरुवार शाम करीब 5.57 बजे बॉयड के चेहरे पर मास्क लगाकर नाइट्रोजन गैस प्रवाहित की गई, वैसे ही बॉयड ने अपनी मुट्ठी बांधी और उसका थोड़ा सिर ऊपर उठा, फिर उसका पैर उठा और करीब 15 मिनट तक वह भारी सांस लेता रहा और आखिरकार उसका शरीर ठंडा पड़ गया। नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने की हो रही आलोचना इस तरीके से व्यक्ति के शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और कुछ ही मिनटों में उसकी मौत हो जाती है।

सबरीमाला मामले में सबूत जुटा रही एसआईटी

मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन को बंगलूरू लेकर गई

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड के अध्यक्ष पी एस प्रशांत ने शुक्रवार को कहा कि बोर्ड सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर से सोना गायब होने के मामले में चल रही एसआईटी जांच से पूरी तरह संतुष्ट है। सबरीमाला मंदिर से सोने के गायब होने की जांच कर रही विशेष जांच टीम (रक्ळ) शुक्रवार को सबूत इकट्ठा करने के लिए मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को बंगलूरू ले गई। एसआईटी रक्ळ टीम, पोट्टी के साथ, सुबह-सुबह तिरुवनंतपुरम में क्राइम ब्रांच ऑफिस से सड़क के रास्ते बेंगलुरु के लिए रवाना हुई। एसआईटी सबरीमाला मंदिर मामले में सबूत इकट्ठा करने के लिए आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को बंगलूरू के बाद चेन्नई और हैदराबाद

भी ले जा सकती है। मजिस्ट्रेट अदालत ने 30 अक्तूबर तक एसआईटी को पोट्टी की हिरासत सौंपी है। जांच में हुए खुलासे जांच में पता चला है कि साल 2019 में त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड (TDB) ने सबरीमाला मंदिर के द्वारपालकों (रक्षक देवता) की सोने की परत चढ़ी प्लेटें उन्नीकृष्णन पोट्टी को इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए दी थीं। आरोप है कि चेन्नई की एक फर्म में प्लेटों की इलेक्ट्रोप्लेटिंग करवाने के बाद, उसने कथित तौर पर बिना इजाजत के इन प्लेटों को चेन्नई, बंगलूरू और केरल में अलग-अलग जगहों पर दिखाया। उन्नीकृष्णन पोट्टी द्वारपालक मूर्तियों की प्लेटों और श्रीकोविल के दरवाजे के फ्रेम से सोने के गायब होने से जुड़े दो मामलों में मुख्य आरोपी है। हाल ही में एसआईटी ने सबरीमाला के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी मुरारी बाबू को भी गिरफ्तार किया था। ळऊ्र ने एसआईटी जांच को लेकर जताई संतुष्टि त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड के अध्यक्ष पी एस प्रशांत ने शुक्रवार को कहा कि बोर्ड सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर से सोना गायब होने के मामले में चल रही एसआईटी जांच से पूरी तरह संतुष्ट है और उम्मीद है कि खोया हुआ सोना वापस मिल जाएगा और दोषियों को सजा मिलेगी। पीएस प्रशांत ने कहा कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की जांच प्रभावी ढंग से आगे बढ़ रही है और त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड (TDB) को इस पर पूरा भरोसा है। उन्होंने आगे कहा कि यह हाल ही में गिरफ्तार किए गए पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी मुरारी बाबू ही थे जो 'द्वारपालक' (रक्षक देवता) मूर्तियों की सोने की परत वाली तांबे की क्लैडिंग को सोने की परत चढ़ाने के लिए बंगलूरू के बिजनेसमैन उन्नीकृष्णन पोट्टी को सौंपना चाहते थे।

महिला डॉक्टर ने हथेली पर सुसाइड नोट लिख की आत्महत्या; दो पुलिसकर्मियों पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सातारा में सरकारी अस्पताल की एक महिला डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली। उसने अपने सुसाइड नोट में दो पुलिसकर्मियों पर दुष्कर्म और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दोनों आरोपियों को तत्काल निलंबित करने और सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। महाराष्ट्र के सातारा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। फलटन तहसील के सरकारी अस्पताल में कार्यरत एक महिला डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली। डॉक्टर ने अपनी हथेली में सुसाइड नोट लिख दो पुलिसकर्मियों पर दुष्कर्म और मानसिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। यह मामला सामने आते ही पूरे राज्य में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, महिला डॉक्टर का शव गुरुवार देर रात फलटन स्थित एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। होटल स्टाफ की

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। मृतका मूल रूप से बीड जिले की रहने वाली थी और पिछले कुछ महीनों से फलटन के सरकारी अस्पताल में कार्यरत थी। सुसाइड नोट में लगाए गंभीर आरोप महिला डॉक्टर ने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि सातारा पुलिस के दो कर्मियों ने उसे पिछले पांच महीनों से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। उसने अपने हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में बताया कि उपनिरीक्षक गोपाल बडाने ने कई बार उसका दुष्कर्म किया, जबकि पुलिसकर्मी प्रशांत बंकर लगातार मानसिक उत्पीड़न करता रहा। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और सुसाइड नोट में दर्ज आरोपों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री का हस्तक्षेप और कार्रवाई के आदेश मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तुरंत सातारा के पुलिस अधीक्षक से बात की और दोनों आरोपी पुलिसकर्मियों के तत्काल निलंबन का आदेश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि फडणवीस ने गृह विभाग के प्रमुख के तौर पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं ताकि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा न जाए। महिला आयोग भी हुआ सक्रिय घटना पर महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने भी संज्ञान लिया है।

दक्षिण पूर्व एशिया के लिए छिपी हुई सुनामी बन रहा अमेरिका का लाखों टन ई-कचरा, बीएएन का खुलासा

हनोई (एजेंसी)। सिएटल की संस्था बेसल एक्शन नेटवर्क की दो साल की जांच से पता चला है कि 10 अमेरिकी कंपनियां यह ई-कचरा एशिया और मध्य पूर्व में भेज रही हैं। जिसे रिपोर्ट ने छिपी हुई ई-वेस्ट सुनामी बताई है। अमेरिका से लाखों टन पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का कचरा दक्षिण-पूर्व एशिया के

विकासशील देशों में भेजा जा रहा है। एक पर्यावरण निगरानी संस्था बेसेल एक्शन नेटवर्क (बीएएन) की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि एशियाई देश खतरनाक कचरे को सुरक्षित तरीके से संभालने के लिए तैयार नहीं हैं। सिएटल स्थित पर्यावरण संस्था की दो साल की जांच में 10 अमेरिकी कंपनियों के इस कारोबार में शामिल होने का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में इसे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के लिए छिपी हुई सुनामी करार दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी ई-कचरे से एशिया का बोझ और बढ़ गया है। एशिया पहले से ही दुनिया का लगभग आधा कचरा पैदा करता है। इनमें से अधिकतर कचरा लैंडफिल में फेंका जाता है। 2030 तक 8.2 करोड़ टन ई-कचरा निकलेगा संयुक्त राष्ट्र की संस्था आईटीयू और यूनिटार के मुताबिक, दुनिया ने 2022 में 6.2 करोड़ मीट्रिक टन ई-वेस्ट पैदा किया था। यह आंकड़ा 2030 तक 8.2 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। गौरतलब है कि, वैश्विक ई-कचरा रीसायक्लिंग से पांच गुना तेजी से बढ़ रहा है।

यूक्रेन को 2027 तक वित्तीय मदद देगा यूरोपीय संघ, जेलेंस्की ने जताई खुशी; अमेरिकी फैसले की भी तारीफ की

ब्रुसेल्स (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में बताया कि यूरोपीय संघ की बैठक में तय हुआ है कि यूरोपीय देश, ऊर्जा क्षेत्र में भी यूक्रेन का सहयोग करेंगे। साथ ही यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को भी मजबूत किया जाएगा। यूरोपीय संघ परिषद ने यूक्रेन को अगले दो वर्षों तक वित्तीय सहायता देने के फैसले को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यूरोपीय संघ के इस फैसले पर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने खुशी जाहिर की। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। हालांकि यूक्रेन की मदद के लिए रूस की जब्त संपत्ति के इस्तेमाल की यूरोपीय संघ ने अभी मंजूरी नहीं दी है क्योंकि बैठक में बेल्जियम ने इसकी मंजूरी नहीं दी। जेलेंस्की भी यूरोपीय संघ की बैठक में हुए शामिल यूरोपीय संघ परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने बताया कि यूरोपियन यूनियन गुरुवार को अगले दो वर्षों के लिए यूक्रेन को वित्तीय मदद करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत गया। ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ परिषद की बैठक हुई, जिसमें बतौर मेहमान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी शामिल हुए। जेलेंस्की ने जब्त की गई रूसी संपत्ति का इस्तेमाल कर यूक्रेन को 140 अरब यूरो का कर्ज देने की

मांग की, लेकिन बेल्जियम के विरोध के चलते अभी इसे मंजूरी नहीं मिल पाई। बेल्जियम ने मंजूरी देने के लिए तीन शर्तें रखी हैं, जिन्हें माने जाने के बाद बेल्जियम भी मंजूरी दे सकता है। बेल्जियम इन मांगों पर अड़ा दरअसल रूस की जब्त संपत्ति बेल्जियम में ही मौजूद है और बेल्जियम के प्रधानमंत्री की मांग है कि अगर रूस कानूनी कार्रवाई करता है तो उस कानूनी कार्रवाई का खर्च यूरोपीय संघ के बाकी देश भी वहन करेंगे। साथ ही अगर कभी पैसा वापस करना पड़ा तो अन्य देश भी आर्थिक मदद देंगे। बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने ये भी कहा कि दूसरे देशों में जब्त की गई रूसी संपत्ति भी इस योजना का हिस्सा होनी चाहिए। वहीं यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में बताया कि यूरोपीय संघ की बैठक में तय हुआ है कि यूरोपीय देश, ऊर्जा क्षेत्र में भी यूक्रेन का सहयोग करेंगे। साथ ही यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को भी मजबूत किया जाएगा। हालांकि अभी इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। यूरोपीय संघ ने रूस पर नए प्रतिबंधों को भी मंजूरी दी है। इस पर भी यूक्रेनी पीएम ने संतोष जाहिर किया। यूक्रेन ने अमेरिकी प्रतिबंधों को भी बताया बेहद असरदार इससे पहले अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। जिससे रूस का तेल कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। यूक्रेन ने कहा कि अमेरिका का यह कदम बेहद कारगर साबित होगा। जेलेंस्की ने कहा कि ये भी जरूरी है कि यूरोप भी रूस की तेल सप्लाई को बाधित करने के लिए और कड़े कदम उठाए।

स्टेलेंटिस और जनरल मोटर्स ने कनाडा में प्रोडक्शन यूनिट बंद की, कार्नी सरकार ने कार आयात पर टैरिफ लगाया

ओटावा (एजेंसी)। अमेरिकी कंपनियों द्वारा कनाडा में उत्पादन बंद करने का यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी ऑटोमेकर्स कंपनियों से अपना उत्पादन अमेरिका में शिफ्ट करने की अपील कर रहे हैं। कनाडा सरकार ने अमेरिकी कार निमार्ता ब्रांड्स स्टेलेंटिस और ऋ्ट (जनरल मोटर्स) को मिलने वाली टैरिफ छूट सीमित कर दी है। दरअसल ये दोनों कंपनियां कुछ गाड़ियां बिना टैरिफ के कनाडा इंपोर्ट कर सकती थी, लेकिन अब कनाडा सरकार ने यह छूट वापस ले ली है। दरअसल इन दोनों कंपनियों ने कनाडा में अपने कुछ प्रोडक्शन यूनिट बंद करने का फैसला किया है। अमेरिकी कंपनियां अपना उत्पादन अमेरिका में शिफ्ट कर रहीं कनाडा सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि अब ये कंपनियां ऑटो और ऑटो पार्ट्स पर कनाडा द्वारा अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए काउंटरटैरिफ ड्यूटी में पूरी छूट पाने के लिए पात्र नहीं होंगी। स्टेलेंटिस ने इस महीने की शुरूआत में

कहा था कि वह अपनी जीप कम्पास का उत्पादन कनाडा से अमेरिका में शिफ्ट कर रहे हैं। जनरल मोटर्स ने भी इस हफ्ते घोषणा की कि वह ओंटारियो में ब्राइटड्रॉप इलेक्ट्रिक वैन का प्रोडक्शन बंद कर रहे हैं। अमेरिकी कंपनियों द्वारा कनाडा में उत्पादन बंद करने का यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी ऑटोमेकर्स कंपनियों से अपना उत्पादन अमेरिका में शिफ्ट करने की अपील कर रहे हैं। कनाडा में इस बात को लेकर डर फैल गया है कि उनके ऑटो सेक्टर का क्या होगा। कनाडा का ऑटो सेक्टर उसका दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक सेक्टर है और प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बताया है कि यह सेक्टर सीधे तौर पर 125,000 कनाडाई लोगों को और संबंधित इंडस्ट्रीज में लगभग 500,000 लोगों को रोजगार देता है।

ड्रग तस्करों के खिलाफ ट्रंप प्रशासन का वार, कोलंबिया के पास नाव पर किया बड़ा हमला

दो तस्करों की मौत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रंप प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में ड्रग तस्करी में लिप्त नाव पर घातक हमला किया। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा नाव खुफिया जानकारी पर निशाना बनी। उन्होंने बताया कि नाव में सवार दोनों तस्कर मारे गए और इस कार्रवाई में अमेरिकी जवान सुरक्षित है। अमेरिका की ट्रंप प्रशासन ने ड्रग तस्करी के खिलाफ एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत अमेरिकी प्रशासन ने कोलंबिया के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में ड्रग तस्करी में शामिल एक नाव पर घातक

हमला किया। इस हमले में दो लोगों की मौत हुई। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की और कहा कि यह हमला नार्को टेररिज्म (ड्रग आतंकवाद) के खिलाफ अमेरिका के अभियान का हिस्सा है। यह अमेरिका का आठवां हमला था और पहली बार करिबीय के बाहर, यानी प्रशांत महासागर की ओर किया गया। इससे पहले के सात हमले करिबीय सागर में हुए थे। इसको लेकर हेगसेथ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश पर हमने एक नाव पर हमला किया जो एक आतंकी संगठन चला रहा था और नशे की तस्करी कर रहा था। दोनों तस्कर मारे गए और अमेरिकी बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ। अमेरिकी खुफिया विभाग ने दी थी जानकारी हेगसेथ ने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को पहले से पता था कि यह नाव ड्रग्स से भरी हुई है और तस्करी के जाने-पहचाने रास्ते से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि हम इन विदेशी आतंकी संगठनों से वैसे ही निपटेंगे जैसे हमने अल-कायदा से निपटा, हम उन्हें ढूंढेंगे, उनके नेटवर्क का नक्शा बनाएंगे और उन्हें खत्म करेंगे। बता दें कि अब तक अमेरिकी हमलों में कम से कम 34 लोग मारे जा चुके हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।